केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 179 शुक्रवार 19 जनवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

राम मंदिर से जुड़े 6 स्मारक डाक टिकट जारी

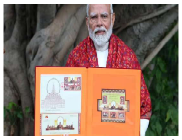

नई दिल्ली (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरूवार को श्री राम जन्मभूमि मंदिर पर स्मारक डाक टिकट जारी किया है। इसके अलावा उन्होंने दुनिया भर में भगवान राम पर जारी टिकटों की एक पुस्तक को भी लॉन्च किया है। डाक टिकट के डिजाइन में राम मंदिर, चौपाई 'मंगल भवन अमंगल हारी' सूर्य, सरयू नदी और मंदिर के आसपास की मूर्तियों को शामिल किया गया है। आपको बता दें कि भारत–अमेरिका सहित कुल 21 देशों में भगवान राम पर डाक टिकट जारी किए जा चुके हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने जो टिकटों की पुस्तक जारी की है उनमें 6 टिकटें शामिल हैं। राम मंदिर, भगवान गणेश, भगवान हनुमान, जटायु, केवटराज और मां शबरी पर डाक टिकट शामिल है। पीएम मोदी ने अपने वीडियो संबोधन में कहा, राम मंदिर से जुड़े 6 स्मारक डाक टिकट जारी किए गए। साथ ही प्रभु श्रीराम से जुड़े जो डाक टिकट जारी किए गए हैं उनका एक एलबम जारी किया गया है।

रोजगार मेले का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा (बस्ती) । खण्ड विकास कार्यालय परिसर में गुरूवार को उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कटरा के संयुक्त तत्वाधान में ब्लाक स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जिसमे 153 युवाओं ने प्रतिभगा किया। वही बीस लोगो को विभिन्न कम्पनियो द्वारा आफर लेटर सौपा गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे व विशिष्ट अतिथि खंड विकास अधिकारी विनय कुमार द्विवेदी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यापर्ण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा भाजपा सरकार हर युवाओं को रोजगार देने का काम कर रही है। द्वाबा क्षेत्र में रोजगार मेले से सैकड़ो युवाओं को लाभ मिला है। वर्तमान सरकार में बिना भेदभाव के रोजगार दिया जाता है। मेले में ब्राइट फ्यूचर, शिव शाक्ति एग्रीटेक, मदरसन अहमदाबाद, चिराग ट्रेडर्स एंव एसआईएस सहित पांच कंपनियों ने प्रतिभाग कर अपना कांउटर लगा कर 153 लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया। जिसमें 80 का चयन हुआ और 20 लोगों को आफर लेटर सौपा गया।

22 को अवकाश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रामजन्म भूमि परिसर में बने मंदिर में प्रभु श्रीराम जी की प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन के परिपेक्ष्य में 22 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। उक्त जानकारी जिला मजिस्ट्रेट अंद्रा वामसी ने दी है।

रोजगार मेला 19 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । दीन दयाल उपाध्याय–ग्रामीण कौशल्य योजनान्तर्गत विकास खण्ड स्तर पर रोजगार मेला विकास खण्ड कप्तानगंज में 19 जनवरी को आयोजित किया जायेगा। उक्त जानकारी प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ने दी है।उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में आई०टी०आई० पास आउट/नॉन आई०टी०आई० के बेरोजगार अभ्यर्थियों 19 जनवरी 2024 को विकास खण्ड कप्तानगंज रोजगार मेले मे प्रतिभाग करें।

गर्भगृह में विराजे रामलला: प्राण प्रतिष्ठा के बाद ही मिल सकेंगे दर्शन

संवाददाता– अयोध्या। राम मंदिर के गर्भगृह में रामलला की नई प्रतिमा विराजित हो गई है। हालांकि इसे अभी देखा नहीं सकेगा। 22 जनवरी को प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा हो जाने के बाद ही उस दिव्य और विराट मूर्ति के दर्शन हो सकेंगे। कल देर शाम वह प्रतिमा मंदिर परिसर लाई गई थी।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का विधिवत कर्मकांड गुरुवार को गणेश पूजन के साथ शुरू हो गया है। शुभ मुहूर्त में दोपहर 1.20 बजे गणेश पूजन के साथ प्राण प्रतिष्ठा के पूजन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वहीं बुधवार को रामजन्मभूमि परिसर पहुंचे रामलला को अपने आसन पर विराजमान कर दिया गया है। गर्भगृह में कमल की आकृति वाले संगमरमर के सिंहासन पर रामलला की अचल

मूर्ति को वैदिक आचार्यों ने विधि विधान पूर्वक विराजित कर दिया है।

पूजन के क्रम में सबसे पहले गणेश अंबिका पूजन फिर वरुण पूजन, चतुर्वेदोक्त पुण्याहवाचन, मातृकापूजन, वसोर्धारापूजन (सप्त घृत मातृका पूजन) हुआ। इसके बाद आयुष्य मंत्रजप, नांदीश्राद्ध, आचार्यादिच ऋत्विग्वरण, मधुपर्कपूजन हुआ। इसके बाद पूजन के लिए बनाए गए मंडपों की पूजा की गई।

इसके लिए मंडपप्रवेश, पृथ्वी–कूर्म– अनंत– वराह– यज्ञभूमि–पूजन, दिग्रक्षण, पञ्चगव्य – प्रोक्षण, मंडपाङ्ग की विधि पूरी की गई। इसके साथ ही वास्तुपूजन, वास्तु बलिदान, मंडप सूत्रवेष्टन, दुग्ध– धारा, जलधाराकरण की प्रक्रिया संपन्न कराई गई। इसके बाद षोडशस्तंभ पूजन व मंडपपूजा के क्रम में मंदिर के तोरण, द्वार, ध्वज, आयुध, पताका, दिक्पाल, द्वारपाल की पूजा की गई।

इसके बाद रामलला की अचल मूर्ति का जलाधि वास,गंधाधिवास कराया गया है। शाम को पहली बार अचल मूर्ति की आरती भी वैदिक आचार्यों ने उतारी है। मुख्य यजमान डॉ. अनिल मिश्र ने पहले दिन की पूजन प्रक्रिया संपन्न कराई। पूजन के दौरान श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय भी मौजूद रहे।

बस्ती मण्डल में 3640 करोड रूपये के 236 उद्योग तैयार: 13832 लोगों को मिलेगा रोजगार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मण्डल में ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी में 3640 करोड रूपये के 236 उद्योग तैयार हो गये है। इससे लगभग 13832 लोगों को रोजगार प्राप्त होंगा। इस स्थिति पर संतोष व्यक्त करते हुए मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने अन्य निवेशक ईकाइयों के स्थापना में आ रही कठिनायों का निराकरण प्राथमिकता पर करने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है। वे अपने सभागार में मण्डलीय उद्योग बन्धु की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि एमओयू हस्ताक्षर करने के बाद भी रिस्पांस ना करने वाले उद्यमियों की सूची शासन को प्रेषित करें। उल्लेखनीय है कि मण्डल में कुल रू0 28762 करोड़ का 597 ईकाइयों द्वारा पूजीनिवेश के लिए एमओयू साइन किया गया है।

उन्होने उद्यमियों से अपील किया कि वे सिंगिल यूज प्लास्टिक का प्रयोग ना करें। इस संबंध में मुख्यमंत्री द्वारा भी अपील की गयी है। उन्होने कहा कि सभी उद्यमी अपने प्रतिष्ठान पर सीसीटीवी कैमरा अवश्य लगवायें। अयोध्या में श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के मद्देनजर उन्होने हाइवे पर स्थित सभी पेट्रोल पम्प मालिको को आकर्षक सजावट करने का भी अनुरोध किया है। उन्होने कहा कि बिहार एवं नेपाल से श्रद्धालुओं के भारी संख्या में आने की संभावना है।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम में मण्डल में 270 उद्यमियों को 755 लाख रूपये का ऋण वितरण करके 136 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल करने पर मण्डलायुक्त ने संतोष व्यक्त किया है। इस योजना में कुल 192 ईकाइयों को रू0 556 लाख वितरण का लक्ष्य निर्धारित था। समीक्षा में उन्होने पाया कि मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना में 282 के सापेक्ष 190 उद्यमियों को ऋण वितरण (73 प्रतिशत) की उपलब्धि हासिल हुयी है। उन्होने तीनों जिलों के उपायुक्त उद्योग को निर्देशित किया है कि लीड बैंक मैनेजर से समन्वय स्थापित करते हुए जनवरी माह में ही शतप्रतिशत ऋण वितरण करायें।

उन्होने निर्देश दिया है कि शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक माह जिला उद्योग बन्धु की बैठक अवश्य किया जाय ताकि उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता पर निस्तारण किया जा सकें। उन्होने कहा कि सर्वप्रथम उद्यमियों की समस्याओं को जिला उद्योग बन्धु की बैठक मे प्रस्तुत कर निस्तारण सुनिश्चित करायें। वहॉ पर निर्णय ना हो पाने की स्थिति में ही प्रकरण मण्डल स्तरीय उद्योग बन्धु में प्रस्तुत किया जाय।

उन्होने अधिशासी अभियन्ता सरयू नहर खण्ड चार को निर्देशित किया कि औद्योगिक क्षेत्र बस्ती में जलनिकासी विषयक नया इस्टीमेट उनके समक्ष प्रस्तुत करें। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि औद्योगिक क्षेत्र संतकबीर नगर मे 5 नये एमवीए क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाने हेतु इस्टीमेट एक सप्ताह में विद्युत विभाग प्रस्तुत करें। श्याम वाटिका होटल एण्ड रिजार्ट के सबंध में गठित समिति द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत ना किये जाने पर उन्होने असंतोष व्यक्त किया तथा एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है।

पुलिस उप महानिरीक्षक आर. के. भारद्वाज ने उद्योगों से संबंधित कानून व्यवस्था की समीक्षा किया। उन्होने मेसर्स बालाजी चावल मिल्स, झरकटिया बस्ती के प्रकरण में कार्यवाही करने के लिए अपर पुलिस अधीक्षक ओपी सिंह को निर्देशित किया है। उन्होने कहा कि श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के मद्देनजर राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवश्यक सेवाओं से संबंधित वाहनों के आवागमन पर कोई रोक नही है। इस संबंध में सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है।

बैठक का संचालन संयुक्त निदेशक उद्योग हरीश प्रताप ने किया। इसमें अध्यक्ष चेम्बर्स आफ इण्डस्ट्री के अशोक सिंह, महासविच एचसी शुक्ला, अधीक्षण अभियन्ता विद्युत रामदास, उपश्रमायुक्त वी.एम.शर्मा, उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप, लीड बैंक मैनेजर, अपर सांख्यिकी अधिकारी जीतेन्द्र गौतम, यूपी सीडा के प्रबंधक संजय तिवारी तथा उद्यमी एवं विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

सपा के कार्यकर्ता सम्मेलन में एकजुटता पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

-भाजपा सरकार में हर वर्ग परेशान- राम प्रसाद चौधरी
-कार्यकर्ताओं की ताकत से जीतेगी सपा- महेन्द्रनाथ यादव

बस्ती। गुरूवार को समाजवादी पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन बस्ती सदर विधानसभा क्षेत्र के हल्लौर नगरा में समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष एवं सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। बैठक को सम्बोधित करते हुये पूर्व मंत्री राम प्रसाद चौधरी ने कहा कि लोकसभा चुनाव नजदीक आ गया है। केन्द्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार चौतरफा आम आदमी को राहत देने में विफल है। मंहगई सिर चढ कर बोल रही है। किसान, नौजवान, व्यापारी और समाज का हर वर्ग परेशान है। भाजपा साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण कर फिर से सत्ता में वापसी का प्रयास कर रही है इसे मिलकर रोकना होगा। कहा कि पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक के साथ ही सभी वर्गो के लोग देश हित में सत्ता परिवर्तन करेंगे। इसके लिये कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर अभी से जुट जाना होगा।

सपा जिलाध्यक्ष एवं सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि हमें सभी बूथों पर कडी निगरानी रखनी होगी, अभी से तैयारियां तेज कर अपने–अपने क्षेत्रों की सघन समीक्षा कर लें। कहा कि पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता अभी से लोकसभा चुनाव के लिये पूरी ताकत से जुट जाय तभी हम भाजपा जैसे साम्प्रदायिक शक्तियों को परास्त कर सकेंगे।

कार्यकर्ता सम्मेलन को पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी अतुल, समाजवादी चिन्तक चन्द्रभूषण मिश्र, मो. स्वालेह, जावेद पिण्डारी, समीर चौधरी आदि ने सम्बोधित करते हुये कहा कि केन्द्र में सरकार बनाने का रास्ता यूपी से होकर गुजरता है। हमें यूपी की सभी 80 सीटों पर भाजपा को हराने का संकल्प लेकर आगे बढना होगा। प्रदेश की जनता भाजपा के कुशासन से तंग होकर परिवर्तन का मन बना चुकी है।

हल्लौर नगरा में आयोजित कार्यकर्ता बैठक में मुख्य रूप से वैजनाथ शर्मा, उदयराज विश्वकर्मा, चौथीराम यादव, पन्ना लाल यादव, वीरेन्द्र यादव, आर.सी. गुप्ता, परशुराम यादव, अशोक यादव, धर्मसिंह शर्मा, बंटी दूबे, सुनील यादव, अभिषेक चौधरी, ज्ञानचंद चौधरी, श्याम सुन्दर अग्रहरि, आदित्य पाण्डेय, रवि कुमार, यूनूस आलम, भोला पाण्डेय, प्रशान्त यादव, सुशील यादव, दीपक कुमार, गिरीश चन्द्र यादव, सचिन श्रीवास्तव, अशोक कुमार मोनू, जैसराज यादव, अशोक कुमार 'मोनू', जैसराज चौधरी, पवन यादव, रामशंकर निराला, राम सुरेश यादव, कैलाश शर्मा, उमेश चौधरी, ध्रुवचन्द्र चौधरी, देवेन्द्र यादव, राम अशीष चौधरी, रामनाथ तिवारी, प्रेमचन्द्र चौधरी, छोटू मिश्र, गौरीशंकर यादव, योगेन्द्र यादव, जोखन यादव, मो. कलीम, सत्तार अली, नन्दलाल चौधरी के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय नागरिक कडाके की ठंड में शामिल रहे।

सेमी कंडक्टर पर नीति को योगी कैबिनेट ने दिया मंजूरी

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को लोक भवन में कैबिनेट की बैठक में बहुप्रतीक्षित सेमी कंडक्टर नीति 2024 के साथ ही 8 अहम प्रस्तावों पर मुहर लगा दी। गुजरात, ओडिशा और तमिलनाडु के बाद यूपी सेमी कंडक्टर नीति बनाने वाला चौथा राज्य है। इस नीति के बनने से प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश आएगा और हजारों नौकरियों और रोजगार का मार्ग भी प्रशस्त होगा। विशेषज्ञों ने नई सेमी कंडक्टर नीति को सर्वोत्तम नीति बताया है। यूपी सेमी कंडक्टर निर्माण सेक्टर में लीडर बने इसके लिए इस नीति को लाया गया है। लोक भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान प्रदेश के वित्तमंत्री सुरेश खन्ना, उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय और चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी मीडिया को दी।

कैबिनेट मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि सेमी कंडक्टर निर्माण इकाई लगाने वाले उद्योग समूहों को भारत सरकार की ओर से 80 हजार करोड़ रुपए का फंड दिये जाने की व्यवस्था है। यूपी सरकार इसमें 75 प्रतिशत की भागीदारी करेगी। पॉलिसी में उद्योगों को वित्तीय प्रोत्साहन देने की भी व्यवस्था है।

इसमें लैंड सब्सिडी के रूप में 200 एकड़ तक 75 फीसदी की सब्सिडी मिलेगी। अबतक 13 कंपनियों ने प्रदेश में सेमी कंडक्टर निर्माण इकाई लगाने के लिए अपनी इच्छा जाहिर की है। उद्योगों को पर्याप्त मात्रा में पानी और निर्बाध बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर पेटेंट कराने पर 10 लाख तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेटेंट कराने के लिए यूपी सरकार 20 लाख रुपए प्रदान करेगी। इंडस्ट्री को स्किल्ड मैनपॉवर उपलब्ध कराने के लिए इंडस्ट्री से सीएम इंटर्नशिप प्रोग्राम के तहत कोलेबरेशन किया जाएगा। इसके साथ ही प्रदेश के तकनीकि इंस्टीट्यूटों में भी सेमी कंडक्टर निर्माण से संबंधित ट्रेनिंग की व्यवस्था की जाएगी।

मोबाइल फोन, लैपटॉप, कारों समेत तमाम इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स में सेमीकंडक्टर का इस्तेमाल होता है। सिलिकॉन से बनी इस बेहद छोटी सी चिप के बिना कुछ भी नहीं चल सकता है। एटीएम से पैसा निकालना हो या फिर फैक्ट्रियों में हर तरह का प्रोडक्शन इसी से संभव है। सेमीकंडक्टर को 'न्यू ऑयल' भी कहा जाता है। कहा जाता है कि सेमी कंडक्टर में आगे रहने वाला देश ही दुनिया में अग्रणी और ताकतवर हो सकता है। फिलहाल ताइवान, चीन और अमेरिका की कंपनियां इन सेमीकंडक्टर की सबसे बड़ी निर्माता और निर्यातक हैं।

डिजिटलाइजेशन में भारत नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। लेकिन जैसे तेल के मामले में हम आयात पर निर्भर हैं, उसी तरह सेमीकंडक्टर भी हम आयात ही करते हैं। देश की कई कंपनियां इन चिप की डिजाइनिंग, पैकेजिंग और टेस्टिंग में योगदान देती हैं लेकिन असल में सेमीकंडक्टर यूरोप, अमेरिका या ताइवान, चीन में ही बनते हैं। जानकारों के अनुसार 2030 से अकेले भारत में सेमीकंडक्टर की खपत 110 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगी।

इसी चुनौती से निपटने के लिए मोदी सरकार ने पिछले कुछ समय से सेमीकंडक्टर निर्माण की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए हैं।

बैठक में शिक्षकों ने बनाया महाहड़ताल की रणनीति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल की अध्यक्षता में गुरूवार को प्रेस क्लब सभागार में पेंशन बहाली संयुक्त मंच 'एन.जे.सी.ए.' राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर किये जा रहे आन्दोलनों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही आगामी मार्च माह में होने वाले महाहड़ताल के तैयारी पर विचार किया गया। निर्णय लिया गया कि 19 जनवरी से 22 तक क्षेत्रीय संगठनों की बैठक होगी जिसमें पुरानी पेंशन बहाली को लेकर योगदान पर रणनीति तंय की जायेगी। इसी कड़ी में महेश कुमार को सर्व सम्मत से जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष और विवेक कुमार को जिला संगठन मंत्री का दायित्व सौंपा गया।

–महेश कुमार वरिष्ठ उपाध्यक्ष, विवेक संगठन मंत्री बने

बैठक में शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि आगामी 23 से 5 फरवरी तक सभी पदाधिकारी अपने क्षेत्र के विद्यालयों पर भ्रमण कर होने वाले महाहड़ताल के बारे में जागरूक करने के साथ ही सदस्यता अभियान भी चलायेंगे। कहा कि एकजुटता से ही पुरानी पेंशन बहाल हो सकेगी। बताया कि 5 फरवरी के बाद जनपद संगठन क्षेत्रों का भ्रमण कर विकास क्षेत्र के बीआरसी केन्द्रों पर शिक्षकों की बैठक कर रणनीति पर चर्चा होगी। बैठक में सभी पदाधिकारियों ने संगठन के निर्णय के पालन का बचन देने के साथ ही महेश कुमार को जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त किया।

बैठक में मुख्य रूप से कार्यवाहक अध्यक्ष अखिलेश मिश्र, जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह, कोषाध्यक्ष अभय सिंह यादव, संयुक्त मंत्री विजय प्रकाश चौधरी, राजकुमार सिंह, शशिकान्त दूबे, इन्द्रसेन मिश्र, अभिषेक उपाध्याय, दिवाकर सिंह, देवेन्द्र वर्मा, शैल शुक्ल, चन्द्रभान चौरसिया, रीता शुक्ला, सरिता पाण्डेय, आशुतोष पाण्डेय, योगेश्वर प्रसाद शुक्ल, संदेश कुमार रंजन, बब्बन पाण्डेय, चन्द्रशेखर पाण्डेय, रामभरत वर्मा, भैयाराम राव, रामपाल चौधरी, त्रिलोकीनाथ, विनय कुमार, लालजी, विनोद गौतम, दिनेश वर्मा,सुनील पाण्डेय, रविन्द्रनाथ, राजेश चौधरी, सुभाष मिश्र, उमाशंकर मणि, हरिमूर्ति चौधरी, हरिश्चन्द्र यादव, ओम प्रकाश, अखिलेश चौधरी, रविन्द्रनाथ वर्मा, अश्विनी पाण्डेय, पटेश्वरी प्रसाद निषाद, नरेन्द्र पाण्डेय, मुक्तिनाथ वर्मा, सन्तोष शुक्ल, रजनीश मिश्र, कन्हैयालाल भारती, ओम प्रकाश पाण्डेय, ज्ञान प्रकाश उपाध्याय, मो. सलाम, आदित्यनाथ त्रिपाठी, ध्रुवनरायन दूबे, कृष्ण कुमार वर्मा, बुद्धिराम यादव, राजकुमार पाल, राम प्रकाश यादव, ओंकारनाथ उपाध्याय, चन्द्रिका प्रसाद सिंह, मारूफ खान, जय सिंह, चन्द्रशेखर गुप्ता, सुशील कुमार उपाध्याय, विवेकानन्द चौरसिया के साथ ही अनेक शिक्षक और संघ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रसूता की मौत: पति ने किया दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग:इलाज में लापरवाही का आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लौहरौली में प्रसूता की लापरवाही से मौत का मामला सामने आया है। रूधौली थाना क्षेत्र के गोविन्दपुर निवासी मनोज कुमार ने पुलिस अधीक्षक, पुरानी बस्ती थानाध्यक्ष, जिलाधिकारी के साथ ही अनेक उच्चाधिकारियों और मुख्यमंत्री को रजिस्टर्ड पत्र भेजकर मामले में दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग करते हुये न्याय की गुहार लगाया है।

भेजे पत्र में मनोज कुमार ने कहा है कि उसकी पत्नी विन्ध्यवासिनी का पहला बच्चा था, प्रसव पीड़ा होने पर उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लौहरौली में भर्ती कराया गया। गत 6 जनवरी की रात लगभग 10 बजे स्टाफ नर्स जया ने बताया कि नार्मल डिलेवरी के लिये चीरा लगाना पड़ेगा। 7 जनवरी 2024 को लगभग 7.15 बजे लडकी पैदा हुई।

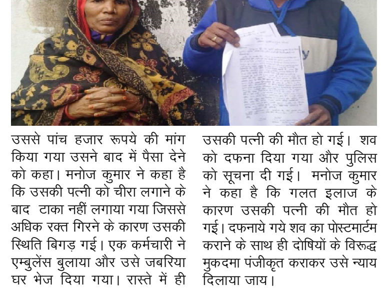

उससे पांच हजार रूपये की मांग किया गया उसने बाद में पैसा देने को कहा। मनोज कुमार ने कहा है कि उसकी पत्नी को चीरा लगाने के बाद टाका नहीं लगाया गया जिससे अधिक रक्त गिरने के कारण उसकी स्थिति बिगड़ गई। एक कर्मचारी ने एम्बुलेंस बुलाया और उसे जबरिया घर भेज दिया गया। रास्ते में ही उसकी पत्नी की मौत हो गई। शव को दफना दिया गया और पुलिस को सूचना दी गई। मनोज कुमार ने कहा है कि गलत इलाज के कारण उसकी पत्नी की मौत हो गई। दफनाये गये शव का पोस्टमार्टम कराने के साथ ही दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर उसे न्याय दिलाया जाय।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती

बस्ती 19 जनवरी 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

निर्मल गंगा के यक्ष प्रश्न

अनेक वर्षों से गंगा की सफाई के नाम पर केन्द्र और संबंधित राज्यों के स्तर पर अनेक प्रयास किए जा चुके हैं। कई दशक बीत जाने पर भी गंगा की पूर्ण सफाई के अनेक महा–अभियान गंगोत्री से निकलने वाली पवित्र गंगा और गंगा सागर में मिलने वाली अशुद्ध गंगा का भेद समाप्त नहीं कर सके। गंगा के बारे में विचार करने से पूर्व हमें यह ध्यान में रखना चाहिए कि गंगा हमारे देश के लिए किस प्रकार महत्वपूर्ण है। देश का बहुसंख्यक हिन्दू समुदाय गंगा को मां की तरह मानकर पूजा करता है।

गंगा जल का प्रयोग सभी धार्मिक अनुष्ठानों में तथा जीवन की अंतिम यात्रा तक किया जाता है। गंगा में स्नान को एक महान् धार्मिक कार्य माना जाता है। हिन्दुओं के इन सब विश्वासों और मान्यताओं को सामुदायिक कहकर सीमित नहीं किया जा सकता। गंगा जल अपने आप में एक महान औषधि सिद्ध हो चुका है। गोमुख से हिमालय पर्वत की असंख्य शृंखलाओं से निकलने वाली मां गंगा का जल अनेक तत्वों के स्पर्श से औषधि बनने की योग्यता प्राप्त करता है। गंगा जल के इस औषधीय लक्षण के कारण गंगा जल में स्नान से अनेक शारीरिक रोग दूर होते हैं और मानसिक शांति प्राप्त होती है। इससे भी बड़ा महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि 5 राज्यों–उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल से होती हुई मां गंगा लगभग 50 करोड़ देशवासियों के लिए अन्न आदि उत्पन्न करने वाली भूमि की सिंचाई भी करती है। इसलिए गंगा का महत्व अपने आप ही सर्वोपरि सिद्ध होता है। परन्तु गोमुख से निकलने वाली मां गंगा की पवित्र धारा औद्योगिक कैमिकल और कचरे के साथ–साथ अन्य अनेक प्रकार की अशुद्धियां प्रविष्ट होते ही मैली हो जाती है।

कुछ समय पूर्व मैं अपनी धर्मपत्नी के साथ ऋषिकेश गंगा दर्शन के लिए गया था। लगभग 3 दिन हमने परमार्थ निकेतन प्रवास करते हुए विश्व शान्ति के दूत पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी से कई बार गंगा स्वच्छता पर विचार–विमर्श किया। मेरा विचार है कि यदि इन सुझावों पर हमारी सरकारें सीधे तौर पर या राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण से विचारपूर्वक इस विचार शृंखला का क्रियान्वयन प्रारंभ करें तो आने वाले 10 वर्ष में निश्चित रूप से गोमुख से गंगा सागर तक पवित्र गंगा जल उपलब्ध हो सकेगा। जिस प्रकार अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर कंटीले तारों एवं फौज की व्यवस्था की जाती है, उसी भावना के साथ मां गंगा की रक्षा करने के लिए गंगा नदी के दोनों किनारों पर लगातार पाइप लाइन बिछाने के कार्य सम्पन्न होने चाहिएं और इन पाइप लाइनों को मां गंगा की रक्षा लाइन समझना चाहिए।

इन पाइप लाइनों में समस्त उद्योगों का कचरा और गंदे नालों का पानी छोड़ा जाए। ये पाइप लाइनें गंगोत्री से गंगा सागर तक अधिकांश क्षेत्रों में बिछाई जाएं, जिनमें केवल कुछ को वन्य क्षेत्रों में छोड़ा जा सकता है। इन पाइप लाइनों की चौड़ाई एवं गुणवत्ता आदि का निर्धारण वैज्ञानिकों के परामर्श से होगा। मां गंगा की इन सुरक्षा पाइप लाइनों को स्थापित करने के लिए केन्द्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय को प्रमुख जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। इन सुरक्षा एवं स्वच्छता पाइप लाइनों के प्रति एक या 2 किलोमीटर की दूरी पर ट्रीटमैंट प्लांट लगाए जाएं, जहां गंदे पानी का मल एवं कचरा निकाला जाएगा तथा साफ जल को भी गंगा नदी में प्रवाहित न करके खेतों में सिंचाई के लिए प्रयोग किया जाए। गंगा नदी में छोटी–बड़ी नदियों एवं नालों के मिलने वाले स्थानों पर भी आवश्यकतानुसार छोटे या बड़े ट्रीटमैंट प्लांट लगाए जाएं। ट्रीटमैंट के बाद इनके पानी का सदुपयोग भी केवल खेती के लिए निर्धारित हो।

इस कार्य के लिए केन्द्र सरकार मूल कोष निर्धारित करे, जो अब तक गंगा स्वच्छता के लिए खर्च किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त छोटे–बड़े सभी उद्योगों से उनके द्वारा उत्सघ्जत कचरा आदि निकासी के अनुरूप प्रतिवर्ष टैक्स की तरह धन इकट्ठा किया जाए। सभी उद्योगों के लिए सी.एस. आर. अर्थात कंपनियों की सामाजिक जिम्मेदारी वाले लोगों का सदुपयोग गंगा में प्रवेश करने वाले सभी स्रोतों पर ट्रीटमैंट प्लांट लगाने के लिए बाध्य होना चाहिए। इन ट्रीटमैंट प्लांटों से निकलने वाला जल भी गंगा में न छोड़कर उसका उपयोग खेतों की सिंचाई के लिए किया जाए। अंतिम किन्तु सबसे महत्वपूर्ण जन सहयोगी आन्दोलन जिसे स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी जैसे सन्त, महात्मा और सामाजिक नेता सम्पन्न कर सकते हैं, वह है गंगा को छूने वाले हर गांव और छोटे–बड़े शहर में गंगा तट पर प्रतिदिन गंगा आरती के मन्दिर, घाट, शिव मंदिर स्थापित किए जाएं, जहां से प्रतिदिन लोगों में गंगा स्वच्छता की प्रेरणाओं का संचार किया जा सके। यदि इन सुझावों का क्रियान्वयन पूर्ण करने में एक दशक भी लग जाए तो भी यह महा–अभियान देशवासियों के लिए गौरवशाली होगा। समूचे विश्व के लिए भी एक महान् प्रेरणा और आध्यात्मिकता का संचार करने वाला होगा।

संबंध मूल्य को स्थापित करते हैं मर्यादा के श्रीराम

–डॉ.सौरभ मालवीय–

सनातन धर्म के अनुयायी श्रीराम को भगवान मानते हैं तथा उनकी पूजा–अर्चना करते हैं। वह भगवान विष्णु के अवतार माने जाते हैं, जिन्होंने लंका नरेश रावण एवं अन्य राक्षसों का संहार करके मानव जाति को उनके अत्याचारों से मुक्त करवाने के लिए अयोध्या के राजा दशरथ के यहां राम के रूप में जन्म लिया था।

इसके इतर राम ने स्वयं को एक जननायक के रूप में स्थापित किया। उनका संपूर्ण जीवन इस बात का प्रमाण है कि उन्होंने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मर्यादा के नूतन आयाम स्थापित किए। इसीलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है। उन्होंने अपने संपूर्ण जीवन में कभी मर्यादा का उल्लंघन नहीं किया, इसलिए भी उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है।

'आदर्श पुत्र'

श्रीराम एक आदर्श पुत्र थे। उन्होंने अपने पिता राजा दशरथ के वचन का पालन किया। उन्होंने राजा दशरथ द्वारा अपनी पत्नी कैकेयी को दिए वचन को पूर्ण करने के लिए राजपाट त्याग कर चौदह वर्ष का वनवास सहर्ष स्वीकार कर लिया। उन्होंने अपनी माता के वचन का सहृदय से पालन करके यह सिद्ध कर दिया कि उनके लिए पिता के वचन और माता की प्रसन्नता से बढ़कर कुछ भी नहीं है। उन्होंने वैभवशाली जीवन का त्याग करके वन में जीवन व्यतीत करना उचित समझा। उन्होंने अपने पिता की मनोव्यथा एवं उनकी विवशता को अनुभव किया तथा बिना किसी अंतर्द्वन्द्व के वनवास जाने का निर्णय ले लिया। यह निर्णय कोई सरल कार्य नहीं था। आज के युग में कोई अपनी एक इंच भूमि भी अपने भाई को नहीं देना चाहता। भूमि और संपत्ति को लेकर भाइयों के मध्य रक्तपात हो जाता है। ऐसे में त्रेता युग में जन्मे श्रीराम परिवार मूल्य बोध के लिए एक आदर्श स्थापित करते हैं।

चित्रकूट में जब भरत व उनके अन्य परिवारजन उन्हें पुनः अयोध्या वापस लौटने को कहते हैं, वह इसे अस्वीकार कर देते हैं। उनकी माता कैकेयी भी उनसे अपने वचनों को वापस लेने की बात कहती हैं, परन्तु वह अपने निर्णय पर अटल रहते हैं तथा उनके कथन को अस्वीकार कर देते हैं। वह अपनी माता से कहते हैं कि आपका वचन पिता से संबंधित था, मुझसे नहीं। मेरा संबंध तो पिता के वचन से है आपसे नहीं, इसलिए मैं उनके वचन की अवज्ञा नहीं कर सकता। मैं अपने पिता के वचन से बंधा हुआ हूं। तभी से यह कहा जा रहा है कि "रघुकुलरीत सदा चली आई, प्राण जाय पर वचन न जाय।" वास्तव में राजा दशरथ अपने पुत्र से अत्यधिक स्नेह करते थे। पुत्र के वियोग में उन्होंने अपने प्राण त्याग दिए, परन्तु अपने वचन का पालन किया।

'आदर्श भाई'

श्रीराम एक आदर्श भाई भी थे। उनके लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के प्रति अथाह प्रेम, त्याग एवं समर्पण के कारण उन्हें आदर्श भाई माना जाता है। उन्होंने अपनी माता कैकेयी के आदेश पर अपना राज्य अपने छोटे भाई भरत को सौंप दिया और स्वयं अपनी पत्नी सीता और छोटे भाई लक्ष्मण के साथ वनवास के लिए प्रस्थान कर गए।

रामचरित मानस में भक्त शिरोमणि तुलसीदास कहते हैं–

सजि बन साजु समाजु सबु बनिता बंधु समेत।

बंदि बिप्र गुर चरन प्रभु चले करि सबहि अचेत।।

अर्थात वन के लिए आवश्यक वस्तुओं को साथ लेकर श्रीराम पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण सहित ब्राह्मण एवं गुरु के चरणों की वंदना करके सबको अचेत करके चले गए।

'सद्भाव का संदेश'

श्रीराम ने समाज के प्रत्येक वर्ग को आपस में जोड़कर रखने का संदेश दिया। उन्होंने प्रेम एवं भाईचारे का संदेश दिया। निषादों के राजा निषादराज श्रीराम के अभिन्न मित्र थे। वह ऋृंगवेरपुर के राजा थे। उनका नाम गुह्यराज था। वह श्रीराम के बाल सखा थे। उन्होंने एक ही गुरुकुल में रहकर शिक्षा प्राप्त की थी। आदिवासी समाज के लोग आज भी निषादराज की पूजा करते हैं। उन्होंने वनवास काल में श्रीराम, सीता एवं लक्ष्मण को गंगा नदी पार करवाई थी।

'संपूर्ण प्राणियों से प्रेम'

श्रीराम मनुष्यों से ही नहीं, अपितु पशु–पक्षियों से भी हृदय से प्रेम करते थे। पशु–पक्षियों ने भी समय–समय पर उनकी सहायता की। इनकी सहायता से ही उन्हें सीता के हरण के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। श्रीराम का गिलहरी से संबंधित एक अत्यंत रोचक प्रसंग है।

जिस समय श्रीराम की सेना रामसेतु के निर्माण के कार्य में व्यस्त थी, उस समय लक्ष्मण ने उन्हें गिलहरी को निहारते हुए देखा। इस बारे में पूछने पर श्रीराम ने बताया कि एक गिलहरी बार–बार समुद्र के तट पर जाती है तथा रेत पर लोटपोट करके रेत को अपने शरीर पर चिपका लेती। जब रेत उसके शरीर पर चिपक जाती, तो वह सेतु पर जाकर सारा रेत झाड़ देती है। वह बहुत समय से ऐसा कर रही है। यह सुनकर लक्ष्मण ने कहा कि वह केवल क्रीड़ा का आनंद ले रही है। इस पर श्रीराम ने कहा कि लक्ष्मण से कहा कि मुझे ऐसा प्रतीत नहीं होता। उत्तम तो यही होगा कि हम इस संबंध में गिलहरी से ही पूछ लेते हैं। उन्होंने गिलहरी से पूछा कि तुम क्या कर रही हो? गिलहरी ने उत्तर दिया कि कुछ नहीं, केवल सेतु निर्माण के पुनीत कार्य में अपना थोड़ा सा योगदान दे रही हूं। उन्हें उत्तर देकर गिलहरी पुनः अपने कार्य के लिए चल पड़ी, तो लक्ष्मण ने उसे रोकते हुए पूछा कि तुम्हारे रेत के कुछ कणों से क्या होगा?

इस पर गिलहरी ने उत्तर दिया कि आप सत्य कह रहे हैं। मेरे रेत के कुछ कणों से कुछ नहीं होगा, परन्तु मैं अपने सामर्थ्य के अनुसार जो योगदान दे सकती हूं, दे रही हूं। मेरे कार्य का कोई मूल्यांकन नहीं, परन्तु इससे मेरे मन को संतुष्टि प्राप्त हो रही है कि मैं अपनी योग्यता एवं सामर्थ्य के अनुसार अपना योगदान दे रही हूं। मेरे लिए यही पर्याप्त है, क्योंकि यह राष्ट्र का कार्य है एवं धर्म का कार्य है। गिलहरी का यह प्रसंग सदैव से ही प्रासंगिक रहा है, क्योंकि इससे यह प्रेरणा मिलती है कि प्रत्येक मनुष्य को अपने सामर्थ्य के अनुसार जनहित एवं राष्ट्र हित में कार्य करना चाहिए।

'नेतृत्व क्षमता'

श्रीराम एक लोक नायक थे। उनमें नेतृत्व की अपार क्षमता थी। उन्होंने समुद्र में पत्थरों से सेतु का निर्माण करवाया, जिसे राम सेतु कहा जाता है। सीताहरण के पश्चात उन्होंने वानरों की सेना के माध्यम से लंका पर चढ़ाई कर दी। एक ओर लंका नरेश रावण की बलशाली राक्षसों की शक्तिशाली सेना थी, तो दूसरी ओर निर्बल वानरों की छोटी सी सेना। किन्तु श्रीराम के पास सत्य की शक्ति थी और वानर सेना का उनके प्रति अटूट प्रेम, श्रद्धा एवं विश्वास था। इस सत्य एवं श्रद्धा के बल पर उन्होंने लंका पर विजय प्राप्त की। वे अपने मित्रों एवं साथियों को आदर एवं सम्मान देते थे। उन्होंने अपने मित्र निषादराज, सुग्रीव, हनुमान, केवट, जामवंत एवं विभीषण आदि को समय–समय पर नेतृत्व करने के अवसर प्रदान किए तथा उनकी हृदय से सराहना भी की।

'मातृभूमि से प्रेम'

लंका पर विजय प्राप्त करने के पश्चात श्रीराम ने लंका का राज्य रावण के भाई विभीषण को सौंप दिया तथा अयोध्या लौटने का निर्णय किया। इस पर लक्ष्मण ने कहा कि लंका में स्वर्गीय सुख है। लंका स्वर्णमयी है। अयोध्या में क्या रखा है? इस पर श्रीराम ने कहा–

अपि स्वर्णमयी लंका न मे लक्ष्मण रोचते।

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।। (वाल्मीकि रामायण)

अर्थात यद्यपि यह लंका स्वर्ण से निर्मित है, फिर भी इसमें मेरी कोई रुचि नहीं है, जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से भी महान है।

श्रीराम ने स्वयं को एक लोकनायक के रूप में ही प्रस्तुत किया। इसलिए वह कभी स्वाभाविक जीवन व्यतीत नहीं कर पाए। उनका बाल्यकाल शिक्षा ग्रहण करते हुए गुरुकुल में व्यतीत हुआ। गुरुकुल में वह राजकुमारों की भांति नहीं रहे, अपितु उन्हें अन्य बालकों की भांति ही अपने सारे कार्य स्वयं करने पड़ते थे। इसके अतिरिक्त में वह अपने सहपाठियों के साथ कंद–मूल एवं लकड़ियां एकत्रित करने वन भी जाते थे। इस प्रकार उनका बाल्यकाल सुख–समृद्धि में व्यतीत नहीं हुआ। युवा होने पर जब उन्हें राज्य का संपूर्ण दायित्व सौंपने का निर्णय लिया गया एवं उनके राज्यभिषेक की तैयारियां होने लगीं, तो उन्हें अकस्मात चौदह वर्ष के लिए वनवास जाना पड़ा। उन्होंने वनवास की समयावधि में भी अनेक कष्टों का सामना किया। जब रावण ने उनकी पत्नी सीता का हरण कर लिया, तो उन्हें पत्नी के वियोग में एवं उनकी खोज में वन–वन भटकना पड़ा। एक साहसी शत्रु से सामना करने के लिए उनके पास कुछ भी नहीं था। उन्हें वानर राज सुग्रीव की सहायता प्राप्त हुई, परन्तु इससे पूर्व उन्हें बाली का वध करके सुग्रीव को राजा बनाना पड़ा। इस समयावधि में उन्हें अनेक कष्ट एवं आरोपों का सामना करना पड़ा।

एक राजा के रूप में भी श्रीराम ने स्वयं को लोकनायक ही सिद्ध किया। उन्होंने लोकनायक के रूप में शासन किया। वह राजा थे। वह चाहते तो निरंकुश होकर निर्णय ले सकते थे, परन्तु उन्होंने लोकनायक के रूप में आदर्श स्थापित किया। उनके राज्य में सबको अभिव्यक्ति का अधिकार था। जब धोबी ने माता सीता के चरित्र पर प्रश्न चिन्ह लगाया, तो श्रीराम ने सीता का त्याग कर दिया। महाकवि भवभूति उत्तररामचरित में कहते हैं–

स्नेहं दयां च सौख्यं च, यदि वा जानकीमपि।

आराधनाय लोकस्य मुञ्चतो, नास्ति मे व्यथा।।

अर्थात देश व समाज की सेवा के लिए स्नेह, दया, मित्रता यहां तक कि धर्मपत्नी को छोड़ने में भी मुझे कोई पीड़ा नहीं होगी।

माता सीता एक बार पुनः वनवास के लिए चली गईं। इसके पश्चात श्रीराम ने भी राजसी जीवन का त्याग कर दिया। वह एक वनवासी की भांति जीवन व्यतीत करने लगे। वह भूमि पर चटाई बिछाकर सोते तथा कंद–मूल खाते। वह अपनी पत्नी से अत्यधिक प्रेम करते थे, इसलिए उन्होंने दूसरा विवाह नहीं किया। उस समय राजा अनेक विवाह करते थे, परन्तु श्रीराम पत्नीव्रता रहे।

श्रीराम ने एक पुत्र के रूप में, भाई के रूप में, पति के रूप में, मित्र के रूप में तथा राजा के रूप में समाज के लिए आदर्श स्थापित किया। उन्होंने प्रेम, भाईचारे, त्याग एवं समर्पण का संदेश दिया। वर्तमान युग में जब स्वार्थ बढ़ गया है तथा संबंध स्वार्थ सिद्धि तक ही सीमित होकर रह गए हैं, ऐसे में लोकनायक राम एक आदर्श बनकर सामने आते हैं। लेखक – लखनऊ विश्वविद्यालय में एसोसीएट प्रोफेसर है। –

मो– 8750820740

सिकुड़ते जनाधार के बीच बसपा की चुनौती

–अजय कुमार–

बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने जन्मदिन पर पर राजनैतिक धुंध पूरी साफ कर दी। बसपा अकेले चुनाव लड़ेगी, यह घोषणा करके मायावती ने उन लोगों की राह आसान कर दी है जो बसपा से गठबंधन की उम्मीद में एक कदम आगे तो दो कदम पीछे चलने को मजबूर हो रहे थे। मायावती के इस फैसले के निहितार्थ भी निकाले जायेंगे तो बसपा को बीजेपी की बी टीम बताने का सिलसिला भी तेज हो जायेगा। ऐसा इसलिए भी होगा क्योंकि बसपा के अकेले चुनाव लड़ने का सीधा फायदा भाजपा को मिलेगा। वहीं कांग्रेस का मायावती के इस फैसले से उत्तर प्रदेश में पैर पसारने का सपना टूट सकता है। कांग्रेस जानती है कि समाजवादी पार्टी के साथ 2017 के विधान सभा चुनाव में गठबंधन का उसे कोई फायदा नहीं मिला था, जिसके चलते लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस को अपना हश्र 2017 जैसा होता दिख रहा है। कांग्रेस के लिए बसपा की एकला चलो नीति इसलिए भी बड़ा झटका है क्योंकि राहुल गांधी लगातार इस बात की कोशिश में लगे थे कि बसपा भी इंडी गठबंधन का हिस्सा बन जाये। यदि ऐसा हो जाता तो निश्चित ही बीजेपी के लिए यूपी में राह मुश्किल हो सकती थी। वैसे मायावती ने चुनाव बाद गठबंधन की संभावनाओं को जिंदा रखा है। मायावती के पास करीब 18 फीसदी कोर वोटर हैं। मायावती जिस भी पार्टी से हाथ मिलाती हैं उसकी बल्ले–बल्ले हो जाती है, लेकिन दूसरी पार्टियों का वोट बसपा को ट्रांसफर नहीं होता है इसीलिये मायावती गठबंधन को लेकर ज्यादा उत्साहित नहीं रहती हैं।

मायावती के सियासी सफर की बात की जाये तो वह चार बार उत्तर प्रदेश की सीएम बन चुकी हैं, जिसमें से तीन बार वह बीजेपी के गठबंधन के साथ मुख्यमंत्री बनीं तो 2007 के विधान सभा चुनाव में मायावती को अपने दम पर बहुमत मिला और चौथी बार राज्य की सीएम वो अकेले अपनी पार्टी के दम पर बनीं थीं लेकिन इसके बाद से ही मायावती की ताकत घटने लगी। सबसे हालिया विधानसभा चुनाव में बसपा 403 विधानसभा सीटों में से महज एक सीट जीत पायी। पार्टी का वोट शेयर 13 फीसदी था। थोड़ा और पीछे जाएं तो 2017 के विधानसभा चुनाव में बसपा को 403 में से 19 सीटें मिली थीं। वोट शेयर 22 फीसदी था।

बात लोकसभा चुनाव की करें तो साल 2019 का चुनाव बसपा ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में लड़ा था, बसपा को इस चुनाव में 10 सीटें मिली थीं और सपा का खाता पांच सीटों पर सिमट गया था। इस चुनाव के बाद सपा और बसपा का गठबंधन टूट गया। अखिलेश यादव ने कहा कि हमारा वोट तो बहन जी को ट्रांसफर हुआ लेकिन इसमें उनका नुकसान हो गया। वहीं मायावती ने भी चुनाव के बाद दिए गए बयान में कहा कि सपा के साथ जाकर उन्हें चुनाव में नुकसान हुआ। एक अनुमान के मुताबिक उत्तर प्रदेश में दलितों में 65 उपजातियां हैं। इनमें सबसे बड़ी आबादी जाटव समुदाय की है। कुल दलित आबादी का 50 फीसदी हिस्सा जाटव हैं। मायावती खुद्द इसी समुदाय से आती हैं। मायावती का अब दलितों के बीच वो प्रभाव नहीं रह गया जैसा पहले हुआ करता था। उनकी पार्टी जाटवों की पार्टी बन कर रह गई है। दलितों का एक अच्छा खघसा तबका बीजेपी के साथ चला गया है और ये पिछले लोकसभा चुनाव में स्पष्ट दिखाई दिया। जाटव और रैदास जैसी जातियां ही अब मायावती के कोर वोटर रह गई हैं। वाल्मीकि, पासी जातियां अब मायावती के साथ नहीं हैं। अब मायावती की वो सियासी ताकत नहीं रही, जिसके लिए वो जानी जाती थीं। वो अब वोट काट तो सकती हैं लेकिन किंगमेकर नहीं बन सकतीं। मौजूदा हालात में तो कम से कम ऐसा ही लगता है।

बहरहाल, मायवती को सबसे अधिक सियासी नुकसान भी भारतीय जनता पार्टी ने ही पहुंचाया है। साल 2014 के चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश में बीजेपी की छवि बहुत बदली है। राज्य की राजनीति को करीब से समझने वाले लोग मानते हैं कि बीजेपी की छवि जिस तरह पहले ब्राह्मण और बनियों की पार्टी की थी आज वैसी छवि नहीं रही है। वो आज वैसी नहीं देखी जाती। अब बीजेपी का दायरा ऊंची जातियों की पार्टी से आगे बढ़ कर दलितों और पिछड़ों के बीच भी पहुंच गया है। दलितों में एक तबका बहन जी के सियासी रूप से कमजोर होने के बाद भाजपा की तरफ चला गया है। इसके अलावा बीते कुछ सालों में मायावती ने अपने पार्टी की स्थिति बेहतर करने के लिए कुछ नहीं किया है। उनकी पार्टी राजस्थान, पंजाब और मध्य प्रदेश में एक बड़ी खिलाड़ी हुआ करती थी लेकिन इन राज्यों को तो भूल जाइए वो अपने गृह राज्य यूपी में ही सिमटती जा रही है। आने वाला लोकसभा चुनाव मायावती और उनकी पार्टी के लिए अस्तित्व बचाने की लड़ाई होगी। बीते चुनावों में पार्टी का गिरता प्रदर्शन तो कम से कम इसी ओर इशारा करता है। पार्टी के घटते वोट शेयर और सीटें तो मायावती के लिए चुनौती हैं ही, उनके लिए एक बड़ी चुनौती ये भी है कि उनके बड़े नेता उनका साथ छोड़ चुके हैं या उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया या है। स्वामी प्रसाद मौर्या, लालाजी वर्मा और इंद्रजीत जैसे बड़े कद के नेता अब उनका साथ छोड़ चुके हैं। मौजूदा सांसद दानिश अली को बहनजी ने बाहर कर दिया है। ऐसे में अकेले पार्टी को जिंदा रखना मायावती के लिए आने वाले चुनाव में सबसे बड़ी चुनौती होगी क्योंकि उसका मुकाबला सपा और कांग्रेस के साथ–साथ मोदी की 'सेना' से भी होगा, जो लगातार दलित वोटरों को लुभाने में लगे हैं।

बीजेपी लम्बे समय से दलित मतदाताओं को साधने की रणनीति पर काम कर रही है। पिछले दिनों हुए उपचुनाव में बसपा प्रत्याशी नहीं होने के बावजूद बीजेपी को सफलता नहीं मिली थी, जिससे बीजेपी को इस बात का अहसास अच्छी तरह से हो गया है कि 2024 की नैय्या दलित मतदाताओं को साधे बिना पार नहीं लगने वाली है। इसलिए बीजेपी का थिंकटैंक दलित बस्तियों में पैठ बनाने की योजना पर काम कर रहा है। बस्ती संपर्क एवं संवाद अभियान के जरिए दलित मतदाताओं में पैठ बनाने के लिए कार्यक्रम चलाया जा रहा है। बीजेपी अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र कनौजिया ने बताया कि उत्तर प्रदेश के सभी संगठनात्मक जिलों में अध्यक्षों को दलित बस्तियों के बीच जाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बस्ती संपर्क एवं संवाद अभियान के जरिए बीजेपी की डबल इंजन की सरकार के कामों को बताया जा रहा है। बीजेपी कार्यकर्ता दलित बस्तियों में जाकर फीडबैक लेंगे। दलित बस्तियों से मिले फीडबैक को बीजेपी लोकसभा चुनाव में इस्तेमाल करेगी।

सोमनाथ से अयोध्या तक तुष्टिकरण की राजनीति

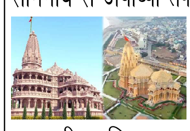

–आशीष वशिष्ठ–

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी शामिल नहीं होंगी। कांग्रेस भले ही राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर को भाजपा और आरएसएस को इवेंट बताती रहे। लेकिन कांग्रेस ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से दूरी बनाकर वही गलती की है, जो गलती कभी पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने की थी। उस वक्त पंडित नेहरू सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन में नहीं गए थे। असल में मुस्लिम तुष्टिकरण उसके एजेंडे में प्रथम स्थान पर है। उसके एजेंडे में न सोमनाथ था और न ही अयोध्या है। इतिहास के पन्ने पलटे तो स्वतंत्र भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री सरदार पटेल ने मुहम्मद गजनवी द्वारा तोड़े गए भगवान सोमनाथ के मंदिर का पुनः निर्माण कराया था। सोमनाथ मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण होने तक सरदार स्वर्गवासी हो गए तो कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ने स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा 11 मई 1951 को सोमनाथ मंदिर का उद्घाटन कराया। उस समय प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के विरोध के बावजूद डॉ. राजेंद्र प्रसाद सोमनाथ गए।

वर्तमान में देश में राम नाम की प्रचंड लहर के चलते अब कांग्रेस नेता, समर्थक और मीडिया का एक वर्ग यह साबित करने में जुटा है कि राम मंदिर में कांग्रेस का भी योगदान है। जबकि जमीनी सच्चाई यह है कि, कांग्रेस ने राम के नाम पर घिनौनी राजनीति का प्रदर्शन किया है। एक ऐसी राजनीति जिसने राम मंदिर मुद्दे को उलझाने का काम किया। कांग्रेस ने हमेशा वोट बैंक की राजनीति करते हुए केवल तुष्टिकरण का ही सहारा लिया। राम मंदिर केस में कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया था कि अयोध्या मामले की जांच को कोर्ट 2019 के आम चुनाव तक टाल दे। 2008 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने इस मामले में हलफनामा दाखिल कर सेतु समुद्रम परियोजना के लिए राम सेतु को तोड़ कर तय वर्तमान मार्ग से ही लागू किये जाने पर जोर देते हुए कहा था कि भगवान राम के अस्तित्व में होने के बारे में कोई पुख्ता साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। ये भी कहा था कि रामायण महज कल्पित कथा है।

हिंदू विरोध की भावना कांग्रेस के डीएनए में है। आजादी के बाद प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार ने पहली लोकसभा में 1955–56 में हिंदू कोड बिल्स पास किए। इस बिल को लेकर डॉ. राजेंद्र प्रसाद और पंडित जवाहर लाल नेहरू के बीच राजनीतिक मतभेद उत्पन्न हो गया था। इसकी एक बड़ी वजह दोनों का धर्म को लेकर रवैया था। वर्ष 1976 में इंदिरा ने देश में आपातकाल के दौरान प्रस्तावना में संशोधन किया, जिसमें सेक्युलर शब्द शामिल किया गया था। जिसका मतलब था कि भारत हिन्दू देश होते हुए भी हिन्दू देश नहीं कहा जा सकता। 1991 में लागू किया गया यह प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट कहता है कि 15 अगस्त 1947 से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता। यह कानून तब लाया गया जब राम मंदिर आंदोलन अपने चरम सीमा पर था। स्वतंत्रता के बाद से वंदे मातरम राष्ट्रगान है। इसे लेकर कहा जाता है कि जवाहरलाल नेहरू ने इसका विरोध किया था। उन्होंने इसे मुसलमानों के विरोध में बताया था। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कार्यकाल में तत्कालीन शिक्षा मंत्री मोहम्मद करीम छागला राज्यसभा में एक प्रस्ताव लाये थे जिसमें काशी हिंदू विश्वविद्यालय से हिंदू शब्द हटाने की बात कही गई थी, जबकि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से मुस्लिम शब्द हटाने की बात नहीं थी।

एसपी से कार्यक्रम में सुरक्षा की मांग

संवाददाता–महराजगंज। नगर पंचायत चौक के अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष इंद्रजीत जायसवाल ने वृहस्पतिवार को एसपी सोमेंद्र मीना को नूतन विग्रह प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के सम्बंध में एक पत्रक सौंपकर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग की।

उन्होंने बताया कि आगामी सोमवार को अयोध्या में राम के बाल रूप नूतन विग्रह को राम जन्मभूमि पर बन रहे नवीन मंदिर भूतल के गर्भगृह में विराजित कर के प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। जिसके उपरांत नगर पंचायत चौक स्थित गुरु गोरक्षनाथ मंदिर परिसर में भव्य आयोजन किया जाएगा। इसमें सुबह 8 बजे से शोभायात्रा निकाली जाएगी। पूरे नगर पंचायत में भ्रमण कर शाम को दीपोत्सव, आतिशबाजी सहित माँ भगवती जागरण का आयोजन किया जायेगा। इसमें सुरक्षा व्यवस्था की आवश्यकता है।

बाइक की टक्कर से स्कूटी सवार बेटे की मौत, पिता समेत दो घायल

संवाददाता–महराजगंज। झुलनीपुर नहर मार्ग स्थित करमहिया गांव के पास बृहस्पतिवार की दोपहर स्कूटी सवार बाप–बेटे को बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बेटे की मौत हो गई, जबकि पिता समेत दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निचलौल में भर्ती कराया। जबकि युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जानकारी के मुताबिक, नेपाल के नवलपरासी जिला अंतर्गत थाना बेलाटारी के परसौनी गांव निवासी सौरभ गुप्ता (18) पिता सुरेंद्र गुप्ता (40) को स्कूटी से लेकर निचलौल शहर स्थित एक डॉक्टर के पास इलाज कराने आया था। दवा लेकर पिता के साथ घर लौट रहा था। अभी सौरभ झुलनीपुर नहर मार्ग स्थित करमहिया गांव के पास एक पेट्रोल पंप के सामने पहुंचे थे। इसी बीच सामने से आ रहे एक बाइक सवार धर्मेंद्र निवासी औरहवा ने स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सौरभ गुप्ता की मौत हो गई। जबकि स्कूटी पर पीछे बैठे सुरेंद्र और दूसरे बाइक सवार धर्मेंद्र घायल हो गए। हादसे की खबर लगते ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निचलौल पहुंचे युवक के परिजनों में चीख पुकार मच गई। सौरभ भाई गौरव और बहन संध्या से बड़ा था। बेटे की मौत के बाद मां रजवंती देवी रो–रोकर बेसुध हो जा रही हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक सत्यप्रकाश सिंह के अनुसार, घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

दुनिया में कोई भी व्यक्ति सर्वगुण संपन्न नहीं हो सकता -प्रभंजनानंद महाराज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या भक्ति मय उल्लास में डूब चुकी है चारों तरफ खुशी और उल्लास का माहौल है राम धुन में सराबोर प्रभु श्री राम की नगरी में मां सरजू के पावन तट पर सुशोभित सियाराम किला झुंकी घाट में पीठाधीश्वर महंत करुणानिधान शरण महाराज की संयोजन में सियाराम किला के प्रथम पीठाधीश्वर ब्रह्मलीन स्वामी मिथिला शरण महाराज छोटे सरकार के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का उल्लास चरम पर है। महोत्सव में 18 जनवरी को बेदी पूजन के साथ गुरुदेव भगवान की प्रतिमा का जलधिवास और अन्ना धिवास कराया गया इस अवसर पर देश के कोने–कोने से लोग पधार कर पूर्ण अवसर का लाभ प्राप्त कर रहे है। श्री राम कथा के द्वितीय दिवस की बेला में अंतर्राष्ट्रीय कथा प्रवक्ता प्रभंजनानंद महाराज ने बताया कि गुण और अवगुण सब के अंदर होता है।दुनिया में कोई भी मनुष्य सर्वगुण संपन्न नहीं होता इसलिए सामने वाले की कमियों को नजर अंदाज करके संबंध निभाना सीखिए।

उन्होंने कहा कि वाणी और विचार यह दोनों प्रोडक्ट हमारी खुद की कंपनी के हैं जितनी क्वालिटी और गुणवत्ता अच्छी रखेंगे उतनी ही आपकी कीमत ज्यादा होगी। खुशी के फूल उन्ही की झोली में गिरते हैं जो अपनों से अपनों की तरह मिलते हैं।दिखावा और झूठ बोलकर व्यवहार बनाने से अच्छा है सच बोलकर दुश्मन बना लो तुम्हारे साथ कभी कोई विश्वास घात नहीं होगा।विश्वास और भरोसा उन ईंटों की तरह होता है जिन पर पूरी इमारत टिकी होती है यदि एक भी ईट खिसक जाए या दरार पड़ जाए तो इमारत गिर जाती है।

श्री महाराज जी ने बताया कि जब परिस्थितियों बदलना असंभव लगे तब अपने मन की स्थिति को बदल लीजिए ।

जिंदगी तब बेहतर होती है जब हम खुश होते हैं लेकिन जिंदगी तब बेहतरीन हो जाती है जब हमारी वजह से सब लोग खुश होते हैं।परिवार को मलिक बनकर नहीं माली बनकर संभालिए जो खयाल तो सबका रखना है पर अधिकार किसी पर नहीं जताता जब हम अकेले हो तब अपने विचारों को संभाले और जब सबके बीच हो तब अपने शब्दों को संभालेक्षुद्र स्वार्थ और व्यक्तिगत सुख के लिए जीने वाले कभी महापुरुष नहीं बन सकते उसके लिए समस्त सुख सुविधाओं का त्याग करके घर से बाहर निकलना पड़ता है।दो बातों का सदैव ध्यान रखें बड़ी से बड़ी विपत्ति में भी घबराएं नहीं हिम्मत नहीं हारें।अपने सामने किसी को छोटा नहीं समझे, अपने प्रेम और विनीत आचरण से सबको अपनाये। कथा के अंत में आरती उतारी गई प्रसाद वितरण किया गया इस अवसर पर कैसरगंज सांसद बृजभूषण शरण सिंह सियाराम किला पहुंचकर महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

जीएसटी दबाने वाले प्रधान, सेक्रेटरी निशाने पर

संवाददाता–महराजगंज। गांवों के विकास के नाम पर धनराशि खर्च कर धनाड्य होते जा रहे प्रधानों व सचिवों की मुसीबत बढ़ सकती है। विकास के नाम पर लाखों रूपये खर्च कर जीएसटी जमा नहीं करने वाले प्रधानों व सप्लायरों पर बड़ी कार्रवाई होने जा रही है। राज्यकर कार्यालय महराजगंज ऐसी ग्राम पंचायतों व सप्लायरों को चिह्नित कर रहा है, जिन्होंने जीएसटी जमा नहीं किया है। जीएसटी चोरी करने वाली ऐसी ग्राम पंचायतों व सप्लायरों पर 50–50 हजार रूपये का जुर्माना लगाया जा सकता है। माल एवं सेवा पर कर लगाने के लिए केन्द्र सरकार 2017 में केंद्रीय जीएसटी अधिनियम लाई। इसी तर्ज पर उत्तर प्रदेश सरकार ने भी 2017 में ही उत्तर प्रदेश जीएसटी अधिनियम बनाया। जीएसटी जुलाई 2017 से लागू है लेकिन टीडीएस की व्यवस्था एक अक्टूबर 2018 से प्रभावी है। जीएसटी में सभी स्थानीय निकायों, ग्राम पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों, जिला पंचायतों, सरकारी विभागों, सरकारी संस्थाओं को भी पंजीकरण करना है। लेकिन अधिकांश ग्राम पंचायतों ने जीएसटी में पंजीकरण नहीं कराया है। जीएसटी व टीडीएस नहीं कटवा रहे हैं। जबकि जीएसटी में पंजीकरण कराना और जीएसटी व टीडीएस जमा नहीं करना अधिनियम के तहत अपराध है। जीएसटी में पंजीकरण नहीं कराने वाली ग्राम पंचायतों की सूची तैयार की जा रही है। इसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसमें उनपर भारी अर्थदंड लगाया जा सकता है। जिले में 882 ग्राम पंचायतें हैं। इसमें से अभी भी करीब आधी ग्राम पंचायतों ने जीएसटी पंजीकरण नहीं कराया है। वहीं जिन ग्राम पंचायतों ने जीएसटी पंजीयन कराया है उनके द्वारा भी जीएसटी रिटर्न जीएसटीआर–7 शून्य का फाइल किया गया है। ग्राम पंचायतों द्वारा कार्य व भुगतान का डेटा नहीं होने से राज्यकर कार्यालय को यह पता नहीं चल पाता कि किस ग्राम पंचायत ने कार्य कराया और किसे कितना भुगतान किया। इसी का फायदा उठाते हुए ग्राम पंचायतें जीएसटी दबाए हुई हैं। जिससे सरकार को हर वर्ष करोड़ों रुपये का राजस्व घाटा हो रहा है। यदि किसी सरकारी विभाग द्वारा किसी सप्लायर या वर्क कान्ट्रैक्टर को कोई भुगतान किया जाता है जो कर योग्य है उस पर विभाग द्वारा 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी भी संबंधित सप्लायर या वर्क कान्ट्रैक्टर को दिया जाता है। जिन भी सरकारी विभागों, ब्लाकों, ग्राम पंचायतों द्वारा जीएसटी रिटर्न जीएसटीआर–7 में सही विवरण नहीं भरा जा रहा है या शून्य का रिटर्न दाखिल किया जा रहा है यदि वह निर्धारित समय में रिटर्न जमा नहीं करते हैं तो उनपर 50–50 हजार रूपये अर्थदण्ड की कार्रवाई किया जा सकता है।

सड़क पर न दौड़ने पाएं बिना फिटनेस के स्कूली वाहन –डीएम

संवाददाता–गोण्डा। डीएम नेहा शर्मा ने कहा कि सड़क पर बिना फिटनेस के स्कूली वाहन न दौड़ने पाएं । परिवहन विभाग के अफसर सभी स्कूली वाहनों का फिटनेस जारी करना सुनिश्चित करें। वहीं उन्होंने नाबालिग बच्चों के वाहन चलाने के प्रतिबंध को कड़ाई से लागू करने के निर्देश दिए। डीएम ने नाबालिग के वाहन चलाने पर पकड़े जाने पर होने वाले जुर्माने और मिलने वाले दंड पर भी चर्चा की।

डीएम गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति, जिला विद्यालय परिवहन यान सुरक्षा समिति की बैठक ले रहीं थीं। बैठक में परिवहन विभाग द्वारा घटित हुई सड़क दुर्घटनाओं, विद्यालय वाहनों की फिटनेस, ब्लैक स्पाट और 23 जनवरी को बनने वाली मानव श्रंखला का विवरण प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर डीएम ने विद्यालय के वाहनों के चालकों का स्वास्थ्य व नेत्र परीक्षण कराने का निर्देश दिया। वहीं तीन से अधिक मौत वाली दुर्घटनाओं की सूचना संबंधित विभागों को देने व इसके लिए एक वाट्सअप ग्रुप बनाने का निर्देश दिया। सभी विद्यालयों में रोड सेफ्टी क्लब बनाने व क्लब के माध्यम से सड़क सुरक्षा के प्रति छात्रों को जागरूक किए जाने पर बल दिया। बैठक में सीडीओ एम अरुन्मोली, एडीएम सुरेश सोनी, सीएमओ डा रश्मि वर्मा, नगर मजिस्ट्रेट, डीआईओएस, बीएसए, संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन सहित परिवहन व पीडब्ल्यूडी के अफसर मौजूद रहे।

शांति फाउंडेशन को प्रदेश में दूसरा स्थान

संवाददाता–महराजगंज। उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन निदेशालय ने सेवा क्षेत्र के चिकित्सा शिक्षा को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। निदेशालय ने उद्यम दिवस के अवसर पर जिले के शांति फाउंडेशन को प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित करने का फैसला लिया है। ऐसे में उद्यम दिवस पर राज्यपाल लखनऊ में शांति फाउंडेशन के चेयरमैन विनय श्रीवास्तव को 24 जनवरी को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करेंगी। इस खास मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे। शांति फाउंडेशन पीपीपी मोड पर जिले में मेडिकल कॉलेज का निर्माण करा रही है। इसी साल मेडिकल कॉलेज शुरू होने उम्मीद है। इसी बीच उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन निदेशालय द्वारा शांति फाउंडेशन को प्रदेश में दूसरा स्थान घोषित करने पर अधिकारियों व कर्मचारियों में बुधवार को खुशी की लहर दौड़ गई। कर्मचाारियों ने शांति फाउंडेशन के चेयरमैन विनय श्रीवास्तव को बुके देकर स्वागत किया। इस दौरान चेयरमैन विनय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि इस अवार्ड के हकदार महराजगंज जनपद के प्रत्येक नागरिक व संस्थान में योगदान देने वाले कर्मचारी हैं। मैं तो केवल एक प्रतिनिधि हूं। इस अवार्ड से यह आगाज है कि जनपद का पहचान प्रदेश स्तर पर अग्रणी है। उन्होंने यह भी कहा कि संस्थान का मुख्य उद्देश्य आम जन को चिकित्सा, उच्च शिक्षा व समाज सेवा करना है। इसी क्रम में इंजीनियरिंग कालेज,फार्मेसी कालेज,आयुर्वेद कालेज,पालीटेक्निक कालेज, होमियोपैथिक फार्मेसी कालेज, स्पेशल एजुकेशन स्कूल के साथ मेडिकल कालेज का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मेडिकल कालेज के डीन प्रो. डॉ. पीपी गुप्ता, सीईओ डॉ. एसएम रफीक, वित्त अधिकारी जीतू मेघवाल,आईटीएम निदेशक रामगोपाल आदि मौजूद रहे।

दिव्यांग बच्चों की बेहतर शिक्षा के उपाय बताए

संवाददाता–गोण्ड। ब्लॉक संसाधन केंद्र बनगाई पर गुरुवार से पांच दिवसीय समेकित शिक्षा पर आधारित प्रशिक्षण शुरू हुआ। इसमें विभिन्न विद्यालयों के 50 प्रधानाध्यापक और प्रभारी प्रधानाध्यापकों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण का शुभारंभ खंड शिक्षाधिकारी सुशील कुमार सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने शिक्षकों को दिव्यांग बच्चों को चिन्हित करते हुए उनके द्वारा विद्यालय आने या फिर घर पर ही शिक्षा देने के लिए जानकारी दी। बीईओ ने दिव्यांग बच्चों के शिक्षा के लिए सभी विद्यालय के प्रधानाध्यापक को एवं इंचार्ज प्रधानाध्यापक को नोडल शिक्षक के रूप में नामित किया। साथ ही ऐसे बच्चों की बेहतर शिक्षा व्यवस्था के लिए प्रशिक्षित किया। प्रशिक्षक ने प्रतिभागी शिक्षकों को दिव्यांग बच्चों की समावेशी शिक्षा की संकल्पना, समता मूलक एवं समावेशी शिक्षा की मान्यता, बेंचमार्क सेंट करने सहित 21 प्रकार की विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांग बच्चों के बारे में जानकारी दी। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के प्रावधान के अहम बिंदु बताए। इसमें तेजभान पांडेय, इन्दु बाला सिंह, पूनम दूबे, बालमुकुंद पांडेय ,सुशील पाठक, सत्य प्रकाश मिश्रा, मीना शुक्ला, रमजान खान, बाबूराम, अंकित तिवारी, प्रभाकर तिवारी, रामजियावन सहित अन्य प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे।

छत की कुंडी से लटकता मिला युवक का शव

संवाददाता–महराजगंज। कोठीभार थानाक्षेत्र के ग्रामसभा चनकौली में गुरूवार को प्रातः एक युवक का शव उसके घर में छत की कुंडी से लटकता मिला। पुलिसकर्मियों ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

चनकौली निवासी 40 वर्षीय मुबारक पुत्र मजीद अपनी पत्नी व चार बच्चों के साथ घर पर रहता था। ग्रामीणों के अनुसार आर्थिक तंगी को लेकर आए दिन घर में पति व पत्नी के बीच विवाद होता रहता था। जिसकी वजह से तंग आकर एक सप्ताह पूर्व मुबारक की पत्नी अपने चारों बच्चों के साथ मायके चली गई थी।

इसके बाद से मुबारक घर पर अकेला ही रह रहा था। गुरुवार को प्रातः उसके घर में कोई हलचल न होते देख काफी देर बाद पड़ोसियों ने कोठीभार पुलिस को किसी अनहोनी की सूचना दी। पुलिस ने जब घर का दरवाजा खोला तो छत की कुंडी से लटकते हुए मुबारक का शव मिला।

एसओ कोठीभार सत्येंद्र राय ने बताया कि मृतक के परिजनों से पूछताछ की गई है। उसने गृहकलह की वजह से आत्महत्या की है।

स्वच्छ अयोध्या के मुहिम में उतरे दिव्यांग मूंग बधिर बच्चें

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। रामनगरी में दिव्यांग मूक बधिर बच्चे भी किसी मुहिम में पीछे नहीं रहते। यही कारण है की मुस्कान पुनर्वास केंद्र के यह दिव्यांग बच्चे देश के सभी कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं चाहे वह राष्ट्रीय पर्व हो या दीपोत्सव हो या मोदी जी के आगमन का इस क्रम में जहां उन्होंने मोदी जी के आगमन पर फूलों की वर्षा करते हुए फूले नहीं समा रहे थे वहीं स्वच्छता अभियान के अंतर्गत रेलवे स्टेशन अयोध्या, मणि पर्वत, विद्यालय परिसर, विद्या कुंड आदि स्थानों में झाडू लगाकर स्वच्छता अभियान पर मोहर लगाई। इस अभियान में बच्चों का दिशा निर्देशन कर रही थी डॉ रानी अवस्थी उन्होंने भी स्वयं बच्चों के साथ स्वच्छता अभियान में भाग लिया।उन्होंने कहा कि 500 वर्षों के इंतजार के बाद हमारे प्रभु राम जी का नवीन मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हो रही है आखिर हमारा भी कुछ फर्ज है कि हमारी अयोध्या स्वच्छ एवं सुंदर हो जब स्वयं हमारे प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी इसे संवारने में लगे हैं तो सभी का सहयोग होना चाहिए। इस श्रमदान एवं स्वच्छता अभियान में मुख्य रूप से थे संस्था के प्रबंधक राघवेंद्र अवस्थी, सुमित ,अनिल ,धनंजय, रिया, चांदनी, तनुजा, दीपेश, जिग्नेश, सौरभ, अभिषेक एवं अनिल आदि दिव्यांग बच्चे। ज्ञात हो कि यह मूक बधिर बच्चे दीपोत्सव पर आयोजित श्री राम सीता स्वरूप प्रतियोगिता में भी भाग ले चुके हैं और प्रथम पुरस्कार भी प्राप्त कर चुके है तथा स्वरूप के रूप में संदेश दिया था कि आप सब हमारी अयोध्या को स्वच्छ एवं सुंदर बनाएं।

आस्था स्पेशल के संचालन से पहले पूरी करें व्यवस्था

संवाददाता–गोण्ड। अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ रेलवे भी व्यवस्थाएं चाक–चौबंद करने में जुटा है। इसी कड़ी में कटरा शिवदयालगंज स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का निरीक्षण करने पहुंची रेलवे बोर्ड की सदस्य परिचालन व व्यवसाय विकास सीमा कुमार को कई खामियां देखने को मिलीं। मौके पर मौजूद अधिकारी उनके एक भी प्रश्न का सन्तोषजनक जवाब देने में असमर्थ दिखे। उन्होंने स्टेशन यात्रियों के लिए व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के सख्त निर्देश दिए हैं।

रेलवे के आला–अफसरों की ओर से स्टेशन पर आगामी दिनों मे अयोध्या के लिए चलाई जाने वाली विशेष ट्रेन श्आस्था स्पेशल श से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त सुविधाओं के इंतजाम करने के निर्देश दिए गए थे। स्टेशन पर 1500 यात्रियों के विश्राम, भोजन, शौचालय, पेयजल, बिजली आदि की समुचित व्यवस्था करने के लिए कहा गया था। गुरुवार को मौके पर पहुंची रेलवे बोर्ड की सदस्य सीमा कुमार विभाग की ओर से की गई व्यवस्था से बेहद असंतुष्ट नजर आईं। हालांकि मौके पर मौजूद अधिकारियों ने उनको समझाने का प्रयास किया गया लेकिन सीमा कुमार ने कहा कि डेढ़ हजार यात्रियों के बाबत न ही भौतिक तौर पर कोई तैयारी उनको दिख रही है और न ही कागजों में कोई कार्ययोजना आप लोग दिखा पा रहे है। उन्होंने आस्था स्पेशल ट्रेनों के संचालन से पहले पूरी व्यवस्था ठीक करने लेने की कड़ी हिदायत दी। इसके बाद वह अयोध्या के लिए रवाना हो गई। निरीक्षण के दौरान विभाग के कई अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के बाद अधिकारियों ने किया मंथनरू रेलवे बोर्ड की सदस्य के दौरे में सब कुछ बेहतर दिखाने के प्रयास में विफल रहने के बाद उनके जाते ही अधिकारियों के चेहरे और गम्भीर हो गए। स्टेशन के एक कक्ष में बैठक कर बोर्ड की आला–अफसर के निर्देश को पूरा करने की योजना पर विचार विमर्श करते दिखे।

नौचंदी मेला में जायरीनों ने मजार ए मुबारक पर की चादरपोशी

संवाददाता–बहराइच। सैय्यद सालार मसऊद गाजी की दरगाह पर इस्लामिक कैलेण्डर के हर माह पहले गुरुवार को नौचंदी मेले का आयोजन होता है। यहां बुधवार से तीन दिनों तक जायरीनों का सैलाब उमड़ता है। नौचंदी मेले में शामिल होने को बुधवार की शाम से ही जायरीनों के जत्थे पहुंचने लगे। भारी भीड़ के मद्देनजर गुरुवार को यातायात व्यवस्था चरमरा गई। मेले में सजी दुकानों पर जमकर खरीदारी हुई।

दरगाह इंतजामिया कमेटी सदर सैय्यद शमसाद अहमद ने बताया कि जायरीनों की भारी तादाद के मद्देनजर एक सप्ताह पूर्व से ही उनके पड़ाव स्थल, पेयजल, प्रकाश की मुकम्मल व्यवस्था की जाती है। गुरुवार को अनुमान से अधिक जायरीनों के पहुंचने से दरगाह इलाके में यातायात व्यवस्था चरमराई रही। हालांकि मेले में आए कारोबारियों के चेहरे जायरीनों की भारी खरीद फरोख्त के चलते गुलजार रहे। शहर के कारोबारियों, रिक्शा व टैम्पो चालकों को भी नौचंदी मेले से कमाई का अच्छा मौका हासिल होता है। महफुजरर्हमान, इलियास अली उर्फ शब्बू, आरिफ, तनवीर ने जायरीनों की समस्याओं को सुन उनका समाधान करते रहे।

दरगाह स्थित अस्पताल की व्यवस्था मुकम्मल रही, ताकि जायरीनों को सेहत को लेकर इधर– उधर न भटकना पड़े।

ब्रेकर पर पलटा ट्रक, ग्रामीणों ने ब्रेकर हटवाने को किया प्रदर्शन

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा ठूठीबारी मुख्य मार्ग पर परसा मलिक पुलिस द्वारा पेड़ारी चौराहे पर बनवाए गए हार्ड ब्रेकर पर बुधवार देर रात कोयला लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों की मदद से चालक को ट्रक से बाहर निकाल कर निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बृहस्पतिवार को ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर ब्रेकर हटवाने की मांग की। परसामलिक थाना क्षेत्र के पेड़ारी चौराहे पर रफ्तार पर ब्रेक लगाने के लिए कुछ माह पूर्व परसा मलिक थानाध्यक्ष ने ब्रेकर लगवाया था, जिससे चौराहे पर हो रही दुर्घटना कम हो सके, लेकिन मामला उल्टा हो गया। जबसे ब्रेकर लगवाया गया है तबसे रोजाना बाइक सवार गिरकर चोटिल हो रहे हैं। बुधवार की रात करीब 11.30 बजे गोरखपुर से कोयला लोड कर ट्रक महराजगंज, ठूठीबारी होते हुए पेड़ारी चौराहा पार कर रहा था। कोहरे के कारण डबल ब्रेकर नहीं दिखाई दिया। इससे ट्रक का स्टेरिंग राड टूट गया जिससे ट्रक अनियंत्रित होकर बिजली के पोल को तोड़ते हुए सड़क पर पलट गया। ट्रक पलटने की आवाज सुनकर चौराहा के लोग एकत्र हो गए। आनन–फानन में ग्रामीणों की मदद से ट्रक चालक व खलासी को बड़ी मशक्कत से बाहर निकाला गया।

ट्रक चालक के पैर में गंभीर चोट लग गई, जिसका प्राथमिक उपचार एक निजी क्लीनिक पर कराया गया। ब्रेकर हटवाने की मांग को लेकर महंत उदय राज दास, अकबर अली, विनोद कसौधन, शिवसागर चौधरी, विनोद प्रजापति, सुरेश चौधरी, पंकज पांडेय, पप्पू शर्मा, घनश्याम ने प्रदर्शन किया। लोक निर्माण विभाग के विभाग अवर अभियंता राहुल प्रसाद जिज्ञासु ने बताया कि समस्या का समाधान कराने के लिए प्रयास किया जाएगा।

मेले में 170 युवाओं को मिले नियुक्ति पत्र

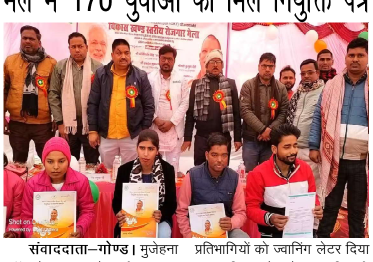

संवाददाता–गोण्ड। मुजेहना ब्लॉक में गुरुवार को पं दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजनान्तर्गत ब्लाक स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इसमें 170 युवाओं को विभिन्न कंपनियों में रोजगार दिया गया।

रोजगार मेले का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि शेषराम बारी ने पं दीन दयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी व राज्य की योगी सरकार आम जनमानस को रोजगार उपलब्ध करा रही है। उन्होंने चयनित प्रतिभागियों को ज्वानिंग लेटर दिया गया। जिला सेवायोजन अधिकारी आशा वर्मा ने बताया कि मेले में एक दर्जन कंपनियों की ओर से स्टाल लगाया गया था। जहां पर कुल 320 युवक–युवतियों की ओर आवेदन किया गया था। इनमें 170 युवाओं का चयन किया गया है। इस दौरान बीडीओ राजेन्द्र यादव, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि मंशाराम वर्मा, अध्यक्ष प्रधान संघ विनोद कुमार सिंह, चंद्र प्रकाश शुक्ल, सालिक प्रधान, प्रमोद पाण्डेय, रवि तिवारी, गौरव श्रीवास्तव, अजय मिश्रा के अलावा बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

भगवान ऋषभदेव जैन मंदिर के साथ अयोध्या में दर्जनों स्थानों पर हो रहा है प्रसाद वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्या में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर सुबह से रात्रि तक की व्यवस्था श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के साथ अयोध्या के स्थानीय मंदिरों गुरुद्वारों भगवान ऋषभदेव जैन मंदिर के साथ–साथ दर्जनों स्थानों पर समाज सेवी संस्थाएं कैंप लगा करके चाय भजन नाश्ता दोपहर की चाय रात्रि का भोजन वितरण कर रही हैं और अयोध्या में आने वाले भक्त बड़े ही श्रद्धा प्रेम के साथ भगवान के इस प्रसाद को पा रहे हैं और प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उल्लास में सराबोर हो रहे हैं।

वहीं श्री भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि दिगम्बर जैन मन्दिर रायगंज में महाप्रसाद का वितरण प्रतिदिन चल रहा है। भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम के अन्तर्गत अयोध्या नगरवासियों एवं बाहर से आए अतिथियों के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था भोजन के रूप में दिगम्बर जैन मन्दिर कमेटी की ओर से की जा रही है और प्रतिदिन यह संख्या बढ़ती ही जा रही है।कमेटी के अध्यक्ष पीठाधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामी जी ने बताया है कि जैन तीर्थंकरों में 24 में से 5 तीर्थंकर भगवंतों का जन्म अयोध्या में हुआ है। उन्होंने बताया कि भगवान आदिनाथजी, भगवान अजितनाथ जी, भगवान अभिनंदन जी, भगवान सुमतिनाथ जी, भगवान अनंतनाथ जी का जन्म लाखों वर्ष पूर्व इसी पुण्य धरा पर हुआ था। भगवान ऋषभदेव जैन मन्दिर के मंत्री श्री विजय कुमार जी ने बताया है कि भगवान ऋषभदेव इस पृथ्वी के प्रथम राजा थे जिन्होंने षधक्रियाओं का उपदेश देकर प्राणी मात्र को जीवन जीने की कला सिखाई पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के मंगल आशीर्वाद से आज से भगवान ऋषभदेव समवसरण विधान का आयोजन प्रारम्भ हो गया झण्डारोहण के साथ कार्यक्रम का प्रारम्भ हुआ है इस अवसर पर प्राण प्रतिष्ठा में आए भक्तों के लिए वात्सल्य भोजन महाप्रसाद की व्यवस्था दिगम्बर जैन मन्दिर के प्रागंण में की गई है। प्रतिदिन श्रद्धालु भक्त हजारों की संख्या में पधार के प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं एवं प्रसन्नता का अनुभव कर रहे हैं। समस्त कार्यक्रम में प्रज्ञाश्रमणी चंदनामती माताजी का मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है।

रामघाट स्टेशन समेत कई स्टेशनों पर लगेगी लिफ्ट

संवाददाता–गोण्ड। मनकापुर–अयोध्या रेल प्रखंड पर स्थित रामघाट हाल्ट पर यात्रियों की सुविधा को देखते हुए लिफ्ट लगाने की कवायद तेज कर दी गई है। वहीं, बलरामपुर में दो, बढ़नी में दो, बहराइच में दो एक्सीलेटर और तीन लिफ्ट लगाने की स्वीकृति रेलवे की तरफ से प्रदान की गई है। यात्रियों को एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफॉर्म जाने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना करना पड़े इसलिए यह व्यवस्था की जा रही है। रेलवे अफसरों के मुताबिक यात्री सुविधाओं को देखते हुए कार्य तेजी से कराया जा रहा है।

नदियों को साफ रखने में सबका योगदान जरूरी

संवाददाता–गोण्ड। महाराजा देवी बख्श इंटर कॉलेज बेलसर में नमामि गंगे के तहत जन जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इसकी अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य अजीत सिंह ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वन रेंज अधिकारी तरबगंज ज्योतिर्मय शुक्ला रहे। सबसे पहले मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। रेंजर ज्योतिर्मय शुक्ला ने कहा कि नदियां जीवनदायिनी हैं। हमारी प्राचीन सभ्यता और संस्कृति नदियों के समीप ही विकसित हुई थी। देश के सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था का आधार ये नदियां ही हैं। औद्योगिकीकरण और शहरीकरण के कारण नदियों पर संकट बढ़ा है। नदियों के किनारे पौधरोपण किया जाना चाहिए। हम सभी को नदियों को साफ रखने के अभियान में साथ देना होगा। प्रधानाचार्य अजीत सिंह ने कहा कि पहले नदियों का जल पवित्र हुआ करता था। इन्ही नदियों को हम अपने स्वार्थ के कारण गन्दा करके और अधिक पाप कर रहे है। कार्यक्रम में स्वागत गीत एवं सरस्वती वंदना छात्र शौर्य मिश्रा और सौम्या मिश्रा ने प्रस्तुत किया। इस दौरान छात्राओं को स्वच्छता का संकल्प भी दिलाया गया। कार्यक्रम में शिक्षक कन्हैयालाल, छात्र अभय तिवारी, छात्रा अनुष्का पांडेय ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन अशोक कुमार ने किया। इस अवसर पर रंजीत कुमार, रामेश्वर प्रताप सिंह, रघुनाथ द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

मानदेय को लेकर सफाई कर्मियों ने लगाया जाम

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के खलीलाबाद नगरपालिका के सफाईकर्मचारियों ने गुरुवार को मानदेय भुगतान में हेराफेरी को लेकर कार्यालय के सामने धरना–प्रदर्शन किया। सफाईकर्मचारियों की नारेबाजी व आन्दोलन से मेंहदावल बाईपास से लेकर नेहरू चौक तक जाम लग गया। इससे लोग परेशान रहे। एक घंटे तक समूचा शहर ठहर–सा गया। एसडीएमध्प्रभारी ईओ ने मौके पर पहुंचकर जाम खुलवाया। अल्ताफ की अगुवाई में लगभग दो सौ कर्मचारियों ने सुबह लगभग पौने 11 बजे नगरपालिका गेट पर पहुंचकर रास्ता जाम कर दिया। प्रदर्शन में पुरुषों के अलावा महिलाएं भी रहीं। रास्ता जाम होते ही मेंहदावाल बाईपास से लेकर नेहरू चौक तक जाम लग गया। एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर रास्ता खुलवाया और कर्मचारियों को भरोसा दिलाया कि उनके खिलाफ अन्याय नहीं होने पर पाएगा। उसके बाद रास्ता खुला। प्रदर्शन में राजीव, इमरान, मोहन, जयंत, जगदीश आदि लोग शामिल रहे।

माता कात्यायनी की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर गाजे बाजे के साथ निकली कलश यात्रा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आगामी 22 जनवरी को कप्तानगंज विकासखण्ड के महादेवरी गांव में माता कात्यायनी की प्राण प्रतिष्ठा के निमित्त गुरुवार को गाजे बाजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। पूर्व प्रमुख योगेंद्र सिंह, भाजपा नेता सिद्धार्थ शंकर मिश्र के साथ क्षेत्र के तमाम वरिष्ठ जनों की अगुवाई में बड़ी संख्या में पुरुषों, महिलाओं और बच्चों ने कलश यात्रा में हिस्सा लिया। माता के जयकारे और भक्ति गीतों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा। कलश यात्रा महादेवरी स्थित माता कात्यायनी मंदिर से निकलकर देवरी, ठुठवा होते हुए पिनेसर गांव के मनवर घाट पर कलश में जल भरने के उपरांत पेड़ारी, गंगापुर होते हुए पुनः महादेवरी पहुंची। प्राण प्रतिष्ठा आयोजन समिति के आचार्य ने बताया कि कलश यात्रा के उपरांत शुक्रवार को माता जी का जलाधिवास तथा दुग्धदिवास, शनिवार को माता जी का अन्नाधिवास, रविवार को महास्नान, नगर भ्रमण एवं शैय्याधिवास, सोमवार को माता जी की स्थापना तथा पूर्णाहुति तथा मंगलवार को विशाल भंडारा एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम निर्धारित है।

कलश यात्रा में राम मोहन शुक्ल, शिव प्रसाद शुक्ल, कर्ण प्रसाद शुक्ल, दुखरन प्रसाद शुक्ल, रामसागर शुक्ल, अमरनाथ शुक्ल, सुशील चंद्र शुक्ल, आशुतोष शुक्ल, श्याम सुन्दर शुक्ल, प्रेम शंकर शुक्ल, संतोष कुमार शुक्ल, कृपा शंकर शुक्ल, बलदेव शुक्ल, देवेन्द्र शुक्ल, राकेश शुक्ल, सुधीर शुक्ल, शिव नरायण शुक्ल, जय प्रकाश शुक्ल, उदय शंकर शर्मा, पशुपति नाथ शुक्ल, अमित शुक्ल, दिनेश पाण्डेय, लवकुश शुक्ल, सुरेश शुक्ल, रामजी शुक्ल, अनन्त विजय शुक्ल, शशिश्याम शुक्ल, सत्येंद्र शुक्ल, अंकित शुक्ल, सुशील शुक्ल, रामशंकर शुक्ल, राजेश शुक्ल, अनूप शुक्ल, देवआशीष शुक्ल, शिवशंकर शुक्ल, पंकज शुक्ल, मनीष शुक्ल, शनि शुक्ल, मुकेश शुक्ल, नीलेश शुक्ल, आकाश शुक्ल, प्रथम शुक्ल, प्रेम शंकर ओझा, विवेक कान्त पाण्डेय, शुभम शुक्ल, राकेश तिवारी, सर्वेश तिवारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे।

20 जनवरी तक छुट्टी का आदेश, ऑनलाइन क्लास से होगी परीक्षा की तैयारी

संवाददाता–गोरखपुर। जिले में ठंड का प्रकोप बढ़ने से कक्षा एक से लेकर आठ तक के स्कूल 20 जनवरी तक बंद कर दिए गए हैं। गोरखपुर शहर में 20 दिनों से सभी स्कूल बंद हैं। प्रायोगिक परीक्षा और प्री–बोर्ड के लिए केवल छात्र–छात्राओं को बुलाया जा रहा है। ऐसे में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो इसके लिए स्कूलों ने ऑनलाइन क्लास के जरिए पढ़ाई शुरू कर दी है। कक्षा 10 और 12 या फिर अन्य कक्षाओं का पाठ्यक्रम लगभग पूरा हो चुका है। ज्यादातर स्कूलों में प्री–बोर्ड परीक्षा भी दिसंबर में संपन्न करा ली गई थी। लेकिन कुछ स्कूलों में अभी भी प्री–बोर्ड परीक्षा चल रही है। अब बोर्ड और वार्षिक परीक्षा को देखते हुए ऑनलाइन क्लास के जरिए रिवीजन कराया जा रहा है। जिन स्कूलों में कोर्स पूरा नहीं है वो तेजी से पूरा करा रहे हैं, जिससे छात्र–छात्राओं का नुकसान न हो। सीबीएसई बोर्ड से जुड़े स्कूलों में इस वक्त प्रायोगिक परीक्षाएं चल रही हैं। 14 फरवरी तक इन्हें हर हाल में प्रैक्टिकल के नंबर अपलोड करने हैं। इसे लेकर सीबीएसई ने एक बार फिर स्कूलों को गाइडलाइन जारी की है। अजय शाही, चेयरमैन, आरपीएम एकेडमी ने कहा कि ठंड की वजह से काफी दिनों से स्कूल बंद हैं। इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए ऑनलाइन क्लास चलाई जा रही है। स्कूल खुलने तक चलती रहेंगी। बोर्ड परीक्षा के किसी छात्र को विषय संबंधित कोई समस्या है तो वह अपने शिक्षक से बात कर सकते हैं।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 102/02
ठाकुर प्रसाद
बनाम
राज कुमार

8/1 श्रीमती गीता विधवा विजय कुमार 8/2 कु0 सृष्टि अवयस्क पुत्री स्व0 विजय कुमार 8/3 समर अवयस्क पुत्र स्व0 विजय कुमार संरक्षिका माता गीता स्वयं निवासीगण बकैनियाद्वीप तप्पा हवेली परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 28–02–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 28 माह 02 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख 18 माह 01 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

पंडित धीरेंद्र शास्त्री की कथा में पुलिस ने किया लाठी चार्ज, कई घायल

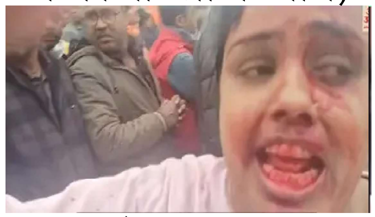

संवाददाता–गोरखपुर। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री की तीन दिवसीय कथा चल रही है। कथा के दूसरे दिन गुरुवार सुबह लगे दिव्य दरबार में लाखों की भीड़ उमड़ गई। ऐसे में पुलिस को व्यवस्था बनाने के लिए लाठी चार्ज करना पड़ा।

इस घटना में एक महिला का सिर फट गया जबकि कई दर्जन लोग घायल हो गए।जनता पंडित धीरेंद्र शास्त्री को देखने के लिए बैरिकेटिंग तोड़ वीआईपी गेट व पार्किंग के अंदर आ गई। पुलिस को कई बार लाठियां भांजनी पड़ीं। विधायक के साथ अन्दर आ रहे समर्थकों के ऊपर भी पुलिस लाठियां भांजी गईं। इसमें कुछ को चोट भी आई।

जैसा की मालूम हो नगर पंचायत के सरयू नदी तट पर बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की तीन दिवसीय रामकथा बुधवार से शुरू हुई है, गुरुवार को भी जनसैलाब उमड़ा है । आज ही बागेश्वर धाम सरकार के दिव्य दरबार में अर्जी भी लगनी है, इस बीच सुरक्षा के भी कड़े बंदोबस्त है। आज बाबा के दिव्य दरबार में भक्तों की भीड़ बैकाबू हो चली जिसके बाद पुलिस को लाठी चार्ज करना पड़ा।

पहले के तय कार्यक्रम पर प्रशासन ने कार्यक्रम में संशोधन करने के बाद दिव्य दरबार लगाने की इजाजत तीन दिनों का दिया है।गुरुवार से बाबा बागेश्वर का दिव्य दरबार लगना शुरू हुआ।श्रीराम कथा का आयोजन 19 जनवरी तक होगा। गोरखपुर और आसपास के अलग–अलग जिलों से दो लाख श्रद्धालु कथा सुनने पहुंचे हैं।बाबा बागेश्वर धाम को सुनने के लिए श्रद्धालुओं में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है।गोरखपुर पहुंचने पर बाबा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का भक्तों ने जोरदार स्वागत किया। बागेश्वर धाम सरकार के बाबा लोगों की पर्ची भी निकालेंगे। श्रीराम कथा स्थल पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं. रात में भी पुलिसकर्मियों को विशेष निगरानी रखने का निर्देश मिला है।

नगदी सहित लाखों के जेवरात चोरी

संवाददाता–गोरखपुर। खोराबार थाना क्षेत्र के जंगल सिकरी सैनिक नगर कॉलोनी में बुधवार रात एक मकान का ताला तोड़कर चोर घर में रखी नगदी सहित सोने–चांदी के जेवरात को उड़ा ले गए। किरायदारों की आहट सुनकर चोर फरार हो गए। किरदार ने गृह स्वामिनी को जानकारी दी। रात ही में गोरखपुर से अपने घर पहुंची मकान मालिकिन की सूचना पर खोराबार पुलिस ने मौका मुआयना किया। मिली जानकारी के अनुसार खोराबार थाना क्षेत्र के जंगल सिकरी उर्फ खोराबार के सैनिक नगर कालोनी निवासी छाया देवी पत्नी स्व. मदन मोहन बुधवार को दवा लेने गोरखपुर में गयी हुई थी और वहीं अपनी बेटी के घर रुकी हुई थी। बुधवार रात करीब 12.30 बजे के घर के मेन गेट का ताला तोड़कर चोर अंदर घुस गए। दूसरे कमरे का ताला तोड़कर अलमारी और बॉक्स तोड़कर उसमें रखे तेरह हजार रुपये, सोने की माला, चांदी की पायल, सोने का हार, कंगन, अगूंठी, बाली, जमीन का कागजात आदि चोरी कर ले गए। जब आहट सुनकर किराएदार जगे और मकान मालकिन के कमरे की तरफ गए तो देखा कि गेट और कमरे का ताला टूटा हुआ है। किराएदार ने घटना की सूचना मकान मालकिन छाया देवी को दी। वह रात करीब 1 बजे अपने आवास पर पहुंचीं और पुलिस को सूचित किया। पुलिस छानबीन कर रही है।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 238/98
श्रीमती इन्द्रावती आदि
बनाम
सुरेशदत्त आदि

1/1/1 नरेन्द्र प्रसाद उम्र लगभग 52 साल पुत्र आद्या प्रसाद 1/1/2 सुभावती उम्र लगभग 70 साल पत्नी आद्या प्रसाद 1/1/3 सुमन उम्र लगभग 53 साल पुत्री आद्या प्रसाद 1/1/4 नीरा शुक्ल उम्र लगभग 42 साल पत्नी अरविन्द कुमार 1/1/5 आदेश उम्र लगभग 14 साल नावालिग पुत्र अरविन्द कुमार बवलायत नीरा शुक्ला माता स्वयं निवासीगण मौजा बभनगांवा चौबे तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 07–02–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 07 माह 02 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख 11 माह 01 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

1600 किमी साइकिल चलाकर रामलला के दर्शन के लिए रामभक्तों का दल पहुंचा अयोध्या

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में चल रहे भगवान रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का आज तीसरा दिन है। 22 जनवरी को पूर्ण शास्त्रोक विधि से वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच भगवान रामलला अपने नव निर्मित गर्भ गृह में विराजमान होगे। इस दौरान होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह की अगुवाई जहां देश के प्रधानमंत्री करेंगे। उम्मीद है कि 51 देशों के राजनयिकों सहित देश के भी अपने अपने क्षेत्र के विशिष्ट लोगों के साथ लगभग चार हजार से संतो के शामिल होंगे।

हालांकि, ट्रस्ट और शासन प्रशासन द्वारा लोगों से अपील की जा रही है कि लोग इस दिन अयोध्या न आकर अपने अपने घरों और क्षेत्रीय मंदिरों में उत्सव मनायें। लेकिन भगवान राम के प्रति लोगों का असीम प्रेम उनको अयोध्या आने के लिये विवश कर दे रहा है। रामभक्त लगातार अयोध्या पहुंच रहे हैं। इसी क्रम में लगभग 1600 किमी साइकिल चलाकर रामभक्तों का एक दल महाराष्ट्र (पुणे) से अयोध्या पहुंचा।

बातचीत करने पर भक्तों ने कहा कि 500 सालों की प्रतीक्षा अब समाप्त हो रही है तो हम सबने यह संकल्प लिया था कि हम साइकिल से अयोध्या जायेंगे। हमारे साथ एक दर्जन से अधिक लोग हैं। यात्रा शुरु करते वक्त हम सब एक दूसरे को जानते तक नहीं थे। हमारी मुलाकात इसी साइकिल यात्रा के दौरान हुई। हम चाहते हैं कि जिस तरह से अपरिचित होते हुये भी आज हम एक हो गये हैं। उसी तरह देश के भी तमाम लोगों को इस अवसर पर एक हो जाना चाहिए।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 222/2023
रामदयाल आदि
बनाम
लक्ष्मण प्रसाद

1. लक्ष्मण प्रसाद उम्र लगभग 52 वर्ष पुत्र राम बहादुर साकिन देईसाड़ तप्पा मथौली महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 09–02–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 09 माह 02 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 62/2023
पल्टू आदि
बनाम
काशी आदि

1. काशी पुत्र हरिवंश 2. सुरेश पुत्र सुदामा निवासीगण मैनसिर तप्पा तामा परगना महुली पूरव तहसील खलीलाबाद जिला–संतकबीरनगर 3. राजेश पाल पुत्र अनिल कुमार पाल निवासी मौजा मैनसिर तप्पा तामा परगना महुली पूरव तहसील खलीलाबाद जिला–संतकबीरनगर 4. ग्राम पंचायत मैनसिर जरिये प्रधान ग्राम पंचायत मैनसिर तप्पा तामा परगना महुली पूरव तहसील खलीलाबाद जिला–संतकबीरनगर

तारीख पेशी 21–02–2024

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 21 माह 02 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 18 माह 01 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

177 युवाओं को रोजगार मेले में मिला नियुक्ति पत्र

संवाददाता–संतकबीरनगर।

संतकबीरनगर जिले के विकास खन्ड पौली स्थित विश्वनाथ शारदा देवी महाविद्यालय भरदौलिया माफी (गोविन्द गंज बाजार) में गुरुवार को कौशल विकास मिशन व जिला सेवायोजन विभाग ने रोजगार मेले का आयोजन किया गया। चयन के बाद 177 प्रतिभागियो को नियुक्ति पत्र दिया गया। कुल 417अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया। निजी क्षेत्र की नौ कम्पनियों ने साक्षात्कार लिया। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन व सेवायोजन विभाग के इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक गणेश चौहान ने फीता काट कर शुभारंभ किया। जिला सेवायोजन अधिकारी शैलेन्द्र शुक्ला ने अध्यक्षता की। मेले में निजी क्षेत्र की ग्रीन कॉल टेक्रोलाजी, ब्राइट फ्यूचर, आर्गेनिक हबर्ल एन्ड आयुर्वेदिक लिमिटेड, टाटा मोर्टस सहित कुल 9 कम्पनी आई थीं। 417अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया। जांच के बाद 177 प्रतिभागियों को नियुक्ति पत्र दिया गया। मेले में रोजगार पाकर अभ्यर्थियों के चेहरे खुशी से खिल गए। मेले में आए अभ्यर्थियों से विधायक गणेश चौहान ने कहा कि सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए दृढ़ संकल्पित है। सरकार की मंशा है कि बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराया जाए। इसके लिए सरकार द्वारा कौशल विकास मिशन योजनाएं चलाई जा रही हैं। प्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष प्रमुख राममिलन यादव ने मेले चयनित बच्चों को बधाई दी।

सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए तैयार हुई नमस्ते योजना– पंकज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

संतकबीर नगर। खलीलाबाद नगर पालिका परिषद के सभागार में नेशनल एक्शन फॉर मैकेनाइज्ड सेनिटेशन इकोसिस्टम ''नमस्ते'' योजना पर चर्चा करते हुए जिला कार्यक्रम प्रबंधक स्वच्छ भारत मिशन–नगरीय पंकज ने बताया कि ''नमस्ते'' योजना सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक पहल है।

स्वच्छ भारत मिशन–नगरीय जनपद संतकबीरनगर में स्थानीय निकाय के सभी कम्प्युटर आपरेटरों को नमस्ते योजना के बारे में स्वच्छ भारत मिशन–नगरीय के जिला कार्यक्रम प्रबंधक पंकज ने बताया कि नमस्ते योजना का मुख्य उद्देश्य भारत में सफाई कार्य में होने वाले मौतों की संख्या को शून्य पर लाना है। इसके साथ ही इस योजना के तहत यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि स्किल्ड वर्कर द्वारा ही सभी तरह के सफाई कार्य किए जाएं। वहीं सभी सीवर और सेप्टिक टैंक सफाई वर्करों के पास ऑप्शनल वर्क का भी ऑप्शन होगा और सफाई कर्मचारी सीधे प्रदूषण के संपर्क में न आए। उद्देश्यः भारत में स्वच्छता, सफाई संबंधी कार्यों में होने वाली मौतों को शून्य करना, स्वच्छता के सभी कार्य कुशल श्रमिकों द्वारा कराना, कोई भी सफाई कर्मचारी मानव मल के सीधे संपर्क में न आए, स्वच्छता कर्मचारियों को स्वयं सहायता समूहों में शामिल करना और स्वच्छता उद्यमों को चलाने हेतु सशक्त बनाना, सुरक्षित स्वच्छता कार्य के प्रवर्तन और निगरानी को सुनिश्चित करने हेतु राष्ट्रीय, राज्य एवं शहरी स्थानीय निकाय स्तरों पर पर्यवेक्षी तथा निगरानी प्रणाली को मजबूत करना, स्वच्छता सेवा चाहने वालों (व्यक्तियों और संस्थानों) को पंजीकृत और कुशल स्वच्छता श्रमिकों से सेवाएँ लेने हेतु जागरूकता बढ़ाना। बैठक में महेन्द्र प्रसाद, रजत कुमार, विशाल कुमार वर्मा, हरिओम पाठक, संजय कुमार, सर्वेश चौरसिया, हर्ष पाल आदि लोग शामिल रहे।

मामूली बात को लेकर हुआ विवाद, मनबढ़ों ने किया तांडव

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में कोतवाली खलीलाबाद थाना क्षेत्र के रौरापार चौराहे स्थित देशी शराब की दुकान के पास शौच करने के विवाद को लेकर बुधवार की देर रात मनबढ़ों ने जमकर तांडव मचाया। कई ठेला दुकानदारों की दुकान में तोड़फोड़ कर आग के हवाले कर दिया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्ष के सात लोगों को हिरासत में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दिया। मामला संज्ञान में आने के बाद एएसपी शशिशेखर सिंह ने मौके पर पहुंचकर तनाव को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस फोर्स को मौके पर तैनात कर निगरानी बरतने का निर्देश दिया। रौरापार चौराहे पर एक मेडिकल स्टोर संचालक देर शाम को देशी शराब की दुकान पर शराब पीकर अपने दो साथियों के साथ अंड़ा खाने ठेले की दुकान पर

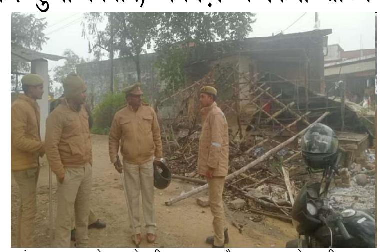

पहुंचा। दुकान के सामने की वह शराब को नशे में शौच करने लगा। दुकानदार के विरोध करने पर पहले कहासुनी और बाद में मारपीट हो गई। जिसमें एक पक्ष को काफी चोटें आईं। मौके पर मौजूद लोगों ने दोनों पक्षों को हटाकर विवाद को शांत कराया। इस घटना के बाद घायल जब अपने गांव पहुंचा तो उसने गांव के लोगों को बताया। इससे उग्र लोग रात में ही वापस चौराहे पर पहुंचे। इसके बाद वहां पर मौजूद चखना, ठेला की लगभग आधा दर्जन दुकानों को अपना निशाना बनाया। जमकर तोड़फोड़ करने के साथ ही दुकानों को आग के हवाले कर दिया। सुबह घटना की जानकारी होने के बाद कोतवाल ब्रजेंद्र प्रसाद पटेल मौके पर पहुंचकर घटना का जायजा लेने के साथ ही उच्चाधिकारियों को मामले से अवगत कराया। सूचना के बाद सीओ बृजेश कुमार सिंह और एएसपी शशिशेखर सिंह मौके पर पहुंच गए।

पुलिस ने एक पक्ष से दो और दूसरे पक्ष से पांच लोगों को अपने हिरासत में लेकर कोतवाली पहुंचाकर कानूनी कार्रवाई शुरूकर दिया। एएसपी शशि शेखर सिंह ने कहा कि रौरापार चौराहे पर रामकेश और मोहम्मद आलम के बीच शौच करने को लेकर विवाद का मामला प्रकाश में आया है। मौके पर जांच के बाद पुलिस फोर्स को तनाव को देखते हुए तैनात कर दिया गया है। एक पक्ष से पांच और दूसरे पक्ष से दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। तहरीर लेकर सुसंगत धारा में अभियोग पंजीकृत करके घटना में संलिप्त लोगों पर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 39/2023
रामरेखा आदि
बनाम
वृजेश कुमार आदि

1. वृजेश कुमार उम्र 40 साल पुत्र दयाशंकर ग्राम सुकरौली तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती 2. राजपती उम्र 65 साल पत्नी रामजतन साकिन ग्राम भुवनी तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 06–03–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 06 माह 03 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 29/2023
रामनयन
बनाम
रामलौट

1. रामलौट उम्र 30 साल पुत्र दयाराम साकिन पाकरडाड़ तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 15–02–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 15 माह 02 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com